मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष -अमावस्या, 2080 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-07 , अंक - 177 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2021-23

भोपाल
12 दिसंबर 2023 मंगलवार

आज का मौसम
25 अधिकतम
14 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

# दोपहर मेट्रो

Page- 7

# मध्यप्रदेश में मोदी का 'मोहन प्रयोग' रहेगा कसौटी पर

प्रसंगवश
राजेश सिरोठिया

**गुजरात** में उपचुनाव में पहली बार विधायक बनकर आए भूपेंद्र पटैल को जब नरेंद्र मोदी-अमित शाह ने मुख्यमंत्री बनाया तो सब चौंके जरूर थे, लेकिन यह उनके गृह प्रदेश की बात थी। सबको पता था कि वे किसी को भी जिता सकते हैं। इसके पहले हरियाणा में तमाम कयासों को दरकिनार करके मनोहर खट्टर, उत्तराखंड में त्रिवेंद्र रावत और पुष्करधामी, हिमाचल में जयराम ठाकुर को सीएम बनाकर चौंका चुके हैं। कर्नाटक में येदुरप्पा सरीखे भाजपा के कद्दावर नेता को हटाकर बसवराज बोम्मई सरीखे चेहरे पर दांव उन्होंने लगाया। हिमाचल और कर्नाटक में तो भाजपा की सरकार ही चली गई। लेकिन उत्तराखंड में भाजपा ने बहुमत पाया और पुष्कर धामी हारे तो उन्हें फिर उपचुनाव में जिताकर मुख्यमंत्री बनाए रखा।

हाल के तीन राज्यों के विधानसभाई चुनावी नतीजे आने के बाद छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री के सभी संभावितों के चेहरों को दरकिनार करते हुए उन विष्णुदेव साय को सीएम बनाकर फिर चौंकाया, जिनका 2019 के लोकसभा चुनाव में खुद मोदी ने टिकट काटा था। मध्यप्रदेश को लेकर खुद नरेंद्र मोदी मानते रहे हैं कि भाजपा की यह जन्मस्थली है। लेकिन वे मप्र को भी अपने राजनीतिक नुस्खों की प्रयोगशाला बनाएंगे, इसका इल्म किसी को नहीं था। शिवराज के चेहरे को चुनावों के बीच पीछे करके अमित शाह ने जब शिवराज के समकालीन साथियों नरेंद्र सिंह तोमर से लेकर प्रहलाद पटैल और पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय को केंद्र की राजनीति से मप्र शिफ्ट करके मप्र में चुनाव लड़ाया तब भी समझा जा सकता था कि हिमाचल और कर्नाटक की हार के बाद वे लोकसभा चुनाव के पहले कोई प्रतिकूल नैरेटिव सेट नहीं करना चाहते। ग्वालियर-चंबल से महाकौशल और मालवा निमाड़ तक भाजपा के हालात सुधारने की मंशा साफ थी। शिवराज से 165 और केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से 88 चुनावी रैलियां करवाईं। खुद मोदी ने रैली से लेकर रोड शो किए तो अमित शाह सहित कई केंद्रीय मंत्री भी प्रचार किया।

मप्र में भाजपा को मिली बंपर जीत के बाद सभी को लगता था कि शिवराज भले मुख्यमंत्री न बनें लेकिन उनके विकल्प के बतौर उनकी ही समवर्ती किसी नेता को मुख्यमंत्री बनने का मौका मिलेगा। कैलाश विजयवर्गीय से लेकर नरेंद्र सिंह तोमर और प्रहलाद पटैल के नाम उभरे। लेकिन इनमें लोधी समाज से ताल्लुक रखने वाले प्रहलाद पटैल सीएम रेस में सबसे आगे और बाजी मारते दिखे। शायद उन्हें इसके संकेत भी मिल चुके थे। इसी के चलते प्रहलाद की अपने रानीतिक गुरू मुरली मनोहर जोशी से आर्शीवाद प्राप्त करने से लेकर मप्र की विधानसभा में मोदी स्टाईल में सीढ़ी पर प्रणाम करते फोटो भी छपे। मप्र विधायक दल के नेता चुनने के लिए हुई बैठक के दौरान प्रदेश भाजपा दफ्तर के बाहर सबसे बड़ा समर्थकों का टोला भी पटैल का ही दिखा। लेकिन ऐन मौके पर पटैल का दावा दरकिनार हो गया और मोहन यादव के नाम पर मुहर लग गई। ऐसे नाम पर जिसकी किसी ने दूर-दूर तक कल्पना नहीं की थी। मेरे चुनावी सर्वे को सच के करीब मानने वाले सैकड़ों लोगों ने मुझे नए सीएम के बारे में टटोलना चाहा तो मेरा यह जवाब था कि यह तो मोदी-शाह जाने या भगवान। पत्रकार के नाते जनता की नब्ज टटोलना आसान है, मोदी-शाह के मन को पढ़ पाना टेढ़ी खीर है। ऐन मौके पर प्रहलाद पटैल की बॉडी लैंग्वेज से उभरते नए सीएम के मंसूबों पर भी मोदी पानी फेर देंगे, यह यकीन से परे है। लेकिन आज का सच यही है कि संघ प्रिय मोहन यादव प्रदेश के नए मुख्यमंत्री हैं।

महाकाल की नगरी उज्जैन से तीसरी बार चुनाव जीते मोहन यादव का सवाल है तो बीते साढ़े तीन सालों के दौरान शिवराज के विकल्प के बारे में उनके नाम की अटकलें खूब लगीं। पिछड़ा वर्ग से जुड़ाव के साथ ही आरएसएस से नजदीकियों की दमदार दलीलें दी गईं। केंद्रीय मंत्री अमित शाह से मुलाकातों के दौर से भी इसको हवा मिली। लेकिन तबके कयास अब हकीकत में तब्दील होंगे,यह राजनीतिक पंडितों के लिए शोध का विषय है। किसी का कयास है कि मप्र के चुनाव प्रभारी भूपेंद्र यादव ने गणित देकर मोहन यादव के नाम पर मोदी-शाह को राजी कराया। कयासों की पतंगबाजी में कुछ खबरिया चैनलों के उत्साही खबरची यह दावे भी कर रहे हैं कि उनके मुख्यमंत्री बनने से भाजपा को लोकसभा चुनावों में राजस्थान से लेकर यूपी, बिहार और हरियाणा तक लाभ होगा। मप्र में यादव समाज पूरी तरह भाजपा के साथ होगा। भाजपा आलाकमान ने डिप्टीसीएम के बतौर राजेंद्र शुक्ला और जगदीश देवड़ा के नाम की घोषणा करके ब्राह्मणों से लेकर दलितों को भी साधने का जतन किया है।

केंद्रीय कृषि मंत्री छोड़कर मप्र विधानसभा के स्पीकर बनने के फैसले के साथ लाख टके का सवाल यही है कि प्रहलाद पटैल का क्या होगा? क्या वो विस के डिप्टी स्पीकर या यादव काबीना में मंत्री बनेंगे? शिवराज का क्या उपयोग होगा? कैलाश विजयवर्गीय की भूमिका क्या होगी? जयंत मलैया या गोपाल भार्गव या भूपेंद्र सिंह सरीखे पुराने दिग्गजों का क्या भविष्य होगा? विधायक बने वरिष्ठ नेता क्या फिर लोकसभा का चुनाव लड़ेंगे? कुल मिलाकर राजनीतिक प्रयोगों के लिए मशहूर मोदी का मोहन यादव पर किया प्रयोग कसौटी पर रहेगा।

## जेएनयू में धरना देने पर जुर्माना लगेगा

**नई दिल्ली, एजेंसी।** जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी में एक बार फिर से नए नियम लागू करने के लिए आदेश जारी कर दिया गया है. इस नियम के बाद यहां के छात्र- छात्राएं काफी भड़के हुए हैं। नियम के मुताबिक, यूनिवर्सिटी कैंपस में धरना देने पर छात्रों पर 20 हजार का जुर्माना लगाया जाएगा। इसके अलावा अगर कोई राष्ट्र विरोधी नारे लगाएगा तो उस पर 10 हजार रुपये का जुर्माना लगेगा। हालांकि नए आदेश के बाद विश्वविद्यालय के छात्रों में काफी नाराजगी भी है। इस दौरान एबीवीपी के सदस्य और मीडिया इंचार्ज अंबुज तिवारी ने कहा है कि यह फरमान पहले भी आ चुका है जिसके खिलाफ हम लोगों ने काफी प्रदर्शन किया था।

## सूखे से सौ हाथियों की मौत हुई

**हरारे, एजेंसी।** जिम्बाब्वे के सबसे बड़े खेल अभयारण्य ह्वांगे नेशनल पार्क में अल नीनो के कारण पड़े सूखे से कम से कम 100 हाथियों की मौत हो गई है। अंतरराष्ट्रीय पशु कल्याण और संरक्षण समूह ने यह जानकारी दी। उसने कहा, मौजूदा अल नीनो के कारण गर्मियों में बारिश पांच सप्ताह देर से हो रही है इससे जि बाब्वे के सबसे बड़े संरक्षित क्षेत्र, लगभग 45,000 हाथियों का घर, ह्वांगे नेशनल पार्क में कई हाथियों की मौत हो चुकी है। पानी की कमी के कारण कम से कम 100 हाथियों के मरने की खबर है।

## विहिप ने कहा अब पीओके को आजाद कराने का वक्त

**नई दिल्ली, एजेंसी।** जम्मू-कश्मीर में आर्टिकल 370 हटाने के केंद्र सरकार के फैसले को अब सुप्रीम कोर्ट ने भी सही ठहरा दिया है। इसके बाद विश्व हिंदू परिषद ने अहम टिप्पणी की है। परिषद के अंतरराष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष आलोक कुमार ने कोर्ट के फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि यह ऐतिहासिक फैसला भगवा विचारक और भारतीय जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी को श्रद्धांजलि के रूप में याद किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अब जम्मू कश्मीर का एक और अधूरा एजेंडा है, वो है पीओके को पाकिस्तान के चंगुल से आजाद कराना। हमें विश्वास है कि एक मजबूत भारत और समर्पित सरकार जल्द ही पीओके को भी आजाद कराएगी।

### दो डिप्टी सीएम समेत आधा दर्जन मंत्री भी ले सकते हैं शपथ, मंथन जारी

# नए सीएम यादव की शपथ कल, पीएम मोदी रहेंगे मौजूद

**भोपाल, दोपहर मेट्रो। मप्र के भावी मुख्यमंत्री मोहन यादव बुधवार को दोपहर 12 बजे मोतीलाल नेहरू स्टेडियम में शपथ लेंगे, उनके शपथ कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शामिल होने के आसार हैं। आज राजधानी के लालपरेड मैदान पर हैलिपेड का निर्माण भी शुरू हो गया है। माना जा रहा है कि यादव के साथ दो उपमुख्यमंत्रियों के अलावा छह मंत्री भी शपथ ले सकते हैं। इधर आज यादव से सुबह कांग्रेस अध्यक्ष व पूर्व सीएम कमलनाथ भी मिलने पहुंचे। उन्होंने यादव को बधाई दी और कुछ मिनट तक दोनों के बीच बातचीत भी हुई।**

यादव ने आज सुबह पूर्व गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा से उनके निवास पर पहुंचकर चर्चा की, मिश्रा हाल में विधानसभा का चुनाव हार चुके हैं। बताया जाता है कि आज दिनभर में यादव कुछ और नेताओं से मिलेंगे इसके बाद वे निवर्तमान मुख्यमंत्री शिवराज सिंह,प्रदेशाध्यक्ष वीडी शर्मा से भी मुलाकात करेंगे। माना जा रहा है कि कैबिनेट में नये मंत्रियों को शामिल करने पर भी वे इन नेताओं से सुझाव लेंगे,लेकिन उनकी कैबिनेट के चेहरों पर अंतिम मुहर हाइकमान की तरफ से लगेगी।

### सुल्तानपुर तक पहुंचा जश्न

भाजपा ने जब बतौर भावी सीएम डा मोहन यादव का नाम घोषित किया तो उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर में भी जश्न शुरू हो गया। दरअसल यह शहर मोहन यादव का ससुराल है। यहां भी किसी के लिए यकीन कर पाना मुश्किल था कि यादव शिक्षामंत्री से सीधे मुख्यमंत्री बन गये हैं। कई लोगों का मानना है कि इसके पीछे अयोध्या के नेपाली बाबा का आशीर्वाद है, जिन्होंने उज्जैन के महाकुंभ के दौरान साल 2016 में ही मोहन यादव के सीएम बनने की भविष्यवाणी की थी।

खबरों के मुताबिक यादव नेपाली बाबा के शिष्य हैं। सिंहस्थ कुंभ में बाबा की ओर से आयोजित राम नाम जप महायज्ञ में मुख्य यजमान भी रह चुके हैं। नेपाली बाबा उर्फ आत्मानंद दास स्वामी उत्तर प्रदेश के अयोध्या में रहते हैं। यहां उन्होंने रामघाट में सीताराम आश्रम की स्थापना की है। यादव के सीएम बनने के बाद अपने सोशल मीडिया अकाउंट के जरिए उन्होंने बधाई दी है।

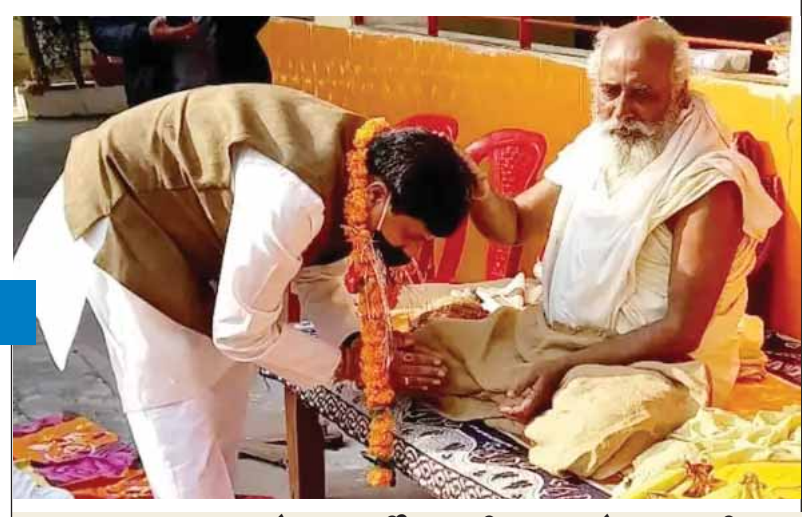

### आज राजस्थान में सरगर्मी,नए सीएम का ऐलान करीब

**मप्र** और छत्तीसगढ़ में सबको चौंकाने के बाद आज का सवाल यही है कि राजस्थान में क्या होगा? क्या राजस्थान में भी मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ के पैटर्न पर नए चेहरे पर दांव लगाएगी या एक बार फिर से वसुंधरा राजे को आजमाएगी? दरअसल आज राजस्थान में आज विधायक दल की बैठक हो रही है। केंद्र ने राजनाथ सिंह, विनोद तावड़े और सरोज पांडेय को राजस्थान का पर्यवेक्षक बनाया है। ये तीनों नेता राजस्थान में भाजपा के नए विधायकों से सीएम चेहरे को लेकर राय लेंगे। इसके बाद बीजेपी आलाकमान की मुहर के बाद आज सीएम पद का ऐलान हो जाएगा। यहां वसुंधरा राजे के तेवरों पर सभी की निगाह हैं। उनका खेमा शक्तिप्रदर्शन भी कर चुका है। माना जा रहा है कि सबसे कठिन होने की वजह से ही भाजपा हाइकमान ने मप्र व छग के फैसले के बाद राजस्थान में यह कवायद शुरू की है।

## वीसी की जान बचाने के लिए जज की कार छीनी, मामला दर्ज

**ग्वालियर, एजेंसी।**

पीके यूनिवर्सिटी के कुलपति की जान बचाने के प्रयास में अब छात्रों पर डकैती की एफआईआर दर्ज हो गई है। छात्रों का कसूर सिर्फ इतना था कि उन्होंने अपने वीसी की जान बचाने के लिए रेलवे स्टेशन के बाहर खड़ी हुई एक जज की गाड़ी को जबरन छीन लिया था और वीसी को अस्पताल लेकर गए थे। हालांकि वीसी की जान नहीं बच सकी। जिन छात्रों पर एफआईआर दर्ज हुई वह एबीवीपी के कार्यकर्ता बताए जा रहे है। इसके चलते बीती पूरी रात एबीवीपी के कार्यकर्ताओं ने पड़ाव थाने में धरना प्रदर्शन किया।

- वीसी ने भी दम तोड़ा
- पूरी रात थाने में हंगामा

बताया जाता है कि इस पूरे घटनाक्रम की शुरुआत दिल्ली से ग्वालियर आने वाली दक्षिण एक्सप्रेस में हुई। इसमें शिवपुर की की पीके यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर रणजीत सिंह यादव (68) अपने कुछ छात्रों के साथ सफर कर रहे थे। ट्रेन आगरा पहुंची तो अचानक वीसी के सीने में दर्द होने लगा और उनकी तबीयत बिगड़ने लगी। छात्रों ने रेलवे की हेल्पलाइन पर मदद मांगी। ग्वालियर स्टेशन आते ही छात्रों ने वीसी को अस्पताल तक पहुंचने के लिए जब कोई मदद नहीं मिली, तो उन्होंने बाहर हाईकोर्ट जस्टिस संजीव एस. कालगांवकर की गाड़ी लेकर खड़े ड्राइवर से तड़पते वीसी को अस्पताल ले जाने की गुहार लगाई, जब ड्राइवर इसके लिए तैयार नहीं हुआ तो छात्रों ने ड्राइवर से चाबी छीन ली। बाद में अस्पताल में डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद वीसी मृत घोषित कर दिया इधर, जज की गाड़ी लूटने की जानकारी पुलिस को मिली तो उसने शहर की नाकाबंदी कर दी जल्द ही पुलिस को जज की गाड़ी जयारोग्य अस्पताल के पास खड़ी मिल गई मगर जीआरपी के आरक्षक राकेश सेंगर की शिकायत पर छात्रों के खिलाफ पड़ाव थाने में डकैती की धारा में एफआईआर दर्ज कर ली गई।

**मेट्रो एंकर** | सांसद के घर से 351 करोड़ बरामदगी का मामला...

# घरों में कैश.. मगर हर धन काला नहीं होता..!

**नई दिल्ली, एजेंसी।**

इन दिनों कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य धीरज साहू के झारखंड,ओडीसा परिसरों में आयकर विभाग की रेड चर्चा में है। इसमें 351 करोड़ रुपये की नकदी बरामद हुई है। यह देश में किसी एजेंसी द्वारा की गई कार्रवाई में अब तक की सबसे अधिक नकदी जब्ती है। हालांकि बहुत से लोग ऐसे हैं जो घरों में काफी कैश रखते हैं, लेकिन घर में बहुत सारा कैश मिलता भी है तो हर कैश हमेशा काला धन नहीं होता है। सबसे पहले संबंधित को उस पैसे का वाजिब सोर्स बताना होगा,वरना आयकर टीम कैश जब्त कर लेगी और आपको 137 प्रतिशत तक का जुर्माना लग सकता है। साहू के साथ ही हाल के कुछ वर्ष में आयकर की बड़ी रेड पड़ी हैं। हालांकि रेड की सुर्खियों के बाद यह सामने नहीं आ पता कि रूपयों का भी भंडार जब्त हुआ था,उसका क्या हुआ!

बताया जाता है कि साहू के पास जो कैश बरामद हुआ है उससे 60 फीसदी टैक्स काटकर लौटाया जा सकता है लेकिन उन्हें साबित करना होगा कि उन्होंने इसे टैक्स न भरकर अर्जित किया। अगर साबित हो गया कि यह कैश अवैध रूप से जुटाया गया था तो यानि कारोबार से नहीं जुटाया है तो उन पर आपराधिक धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज होगा और पैसा भी वापस नहीं मिलेगा। अभी माना जा रहा है कि बेहिसाब रूपयों का भंडार धीरज साहू और उनसे जुड़े हुए व्यापारिक समूह, वितरकों और अन्य लोगों द्वारा देशी शराब की नकद बिक्री से अर्जित किया गया है। कंपनी के मुख्य प्रमोटरों को अपने बयान दर्ज करने के लिए समन जारी होने वाला है।

### कैश जब्ती के पांच बड़े मामले

**कानपुर 2021 :** इत्र कारोबारी पीयूष जैन के कन्नौज और कानपुर के ठिकानों से 207 करोड़ रुपये (196.54 करोड़ रुपये नकद और 23 किलो सोना) जब्त किए गए थे। पूछताछ के लिए पीयूष को गिरफ्तार किया गया। उन्हें सितंबर 2022 में बेल मिली थी। हालांकि पीयूष ने अर्जी दाखिल की व कहा है कि मेरे ऊपर टैक्स चोरी और पेनाल्टी समेत 52 करोड़ रुपए का टैक्स बनता है, ऐसे में डायरेक्टरेट ऑफ़ जीएसटी इंटेलिजेंस (डीजीजीआई) 52 करोड़ रुपए काटकर बाकी रकम मुझे वापस कर दे।

**महाराष्ट्र 2022:** जालना में आयकर विभाग ने स्टील, कपड़ा व्यपारी और रियल एस्टेड डेवलपर के यहां छापेमारी में करीब 390 करोड़ की बेनामी संपत्ति जब्त की थी। जिसमें 58 करोड़ रुपये कैश, 32 किलो सोना, हीरे-मोती के दाने और कई प्रॉपर्टी के कागजात शामिल थे।

**तमिलनाडु 2018:** आयकर विभाग ने राजमार्ग निर्माण के काम में लगी एक कंपनी के परिसरों पर छापेमारी के दौरान 163 करोड़ रूपये नकद एवं 100 किलोग्राम सोना जब्त किया था।

**पश्चिम बंगाल :** तृणमूल कांग्रेस सरकार में पूर्व मंत्री पार्थ चटर्जी और उनकी सहयोगी अर्पिता मुखर्जी पर जब ईडी ने छापेमारी की थी तो इस दौरान 49.80 करोड़ रुपये नकद, कई प्रॉपर्टीज, आभूषण और गोल्ड बार बरामद की थी।

### पहले से ही ट्रेनों में भीड़, कन्फर्म टिकट तक मुश्किल

# अब 7 ट्रेनें निरस्त की, 24 का रूट बदला, यात्रियों की परेशानी और बढ़ी

**भोपाल, दोपहर मेट्रो**

**रेल यात्रियों की परेशानी है कि कम होने का नाम ही नहीं ले रही है। अब 7 ट्रेनों को निरस्त करने और 24 का रूट बदलने से यह परेशानी और बढ़ गई है। जबकि पहले से ही ट्रेनों में भीड़ चल रही है कन्फर्म टिकट नहीं मिल रहे हैं। रेलवे ने इस बार दावा किया है कि उत्तर रेलवे, लखनऊ मण्डल के बाराबंकी-अयोध्या-शाहगंज-जफराबाद रेल खण्ड के दोहरीकरण काम के तहत बाराबंकी स्टेशन पर यार्ड रिमाडलिंग किया जाना है इसलिए 12 दिसम्बर से 05 जनवरी तक प्री-नान इण्टरलॉक एवं 06 से 15 जनवरी तक नान इण्टरलॉक किया जाना है जिसके चलते यह निर्णय लिया है।**

## इन ट्रेनों के रूट बदले

1- **गोरखपुर** से 14, 15, 17, 21, 22, 24, 28, 29 एवं 31 दिसम्बर तथा 04, 05, 07, 11, 12 एवं 14 जनवरी को चलने वाली गाड़ी संख्या 12511 गोरखपुर-कोचूवेली एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग अयोध्या-अयोध्या कैण्ट-सुल्तानपुर-प्रयागराज जं.-कानपुर सेण्ट्रल के रास्ते चलाई जायेगी।

2- **कोचूवेली** से 12, 13, 17,19, 20, 24, 26, 27 एवं 31 दिसम्बर तथा 02, 03, 07, 09 एवं 10 जनवरी को चलने वाली गाड़ी संख्या 12512 कोचूवेली-गोरखपुर एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग कानपुर सेण्ट्रल-प्रयागराज जं.-सुल्तानपुर-अयोध्या कैण्ट-अयोध्या के रास्ते चलाई जायेगी।

3- **बरौनी** से 18 एवं 25 दिसम्बर तथा 01 एवं 08 जनवरी को चलने वाली गाड़ी संख्या 12521 बरौनी-एर्नाकुलम एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग गोरखपुर-अयोध्या-अयोध्या कैण्ट-सुल्तानपुर-प्रयागराज जं0-कानपुर सेण्ट्रल के रास्ते चलाई जायेगी।

4- **एर्नाकुलम** से 15, 22 एवं 29 दिसम्बर तथा 05 एवं 12 जनवरी को चलने वाली गाड़ी संख्या
12522 एर्नाकुलम-बरौनी एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग कानपुर सेण्ट्रल-प्रयागराज जं.-सुल्तानपुर-अयोध्या कैण्ट-अयोध्या के रास्ते चलाई जायेगी।

5- **गोरखपुर** से 13, 20 एवं 27 दिसम्बर तथा 03 एवं 10 जनवरी को चलने वाली गाड़ी संख्या
12589 गोरखपुर-सिकन्दराबाद एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग गोरखपुर-अयोध्या-अयोध्या कैण्ट-सुल्तानपुर- प्रयागराज जं.-कानपुर सेण्ट्रल के रास्ते चलाई जायेगी।

6- **सिकन्दराबाद** से 14, 21 एवं 28 दिसम्बर तथा 04 एवं 11 जनवरी को चलने वाली गाड़ी संख्या
12590 सिकन्दराबाद-गोरखपुर एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग कानपुर सेण्ट्रल-प्रयागराज जं.-सुल्तानपुर-अयोध्या कैण्ट-अयोध्या के रास्ते चलाई जायेगी।

7- **गोरखपुर** से 16, 23 एवं 30 दिसम्बर तथा 06 एवं 13 जनवरी को चलने वाली गाड़ी संख्या
12591 गोरखपुर-यशवन्तपुर एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग अयोध्या-अयोध्या कैण्ट-सुल्तानपुर- प्रयागराज जं.-कानपुर सेण्ट्रल के रास्ते चलाई जायेगी ।

8- **यशवन्तपुर** से 11, 18 एवं 25 दिसम्बर तथा 01 एवं 08 जनवरी को चलने वाली गाड़ी संख्या
12592 यशवन्तपुर-गोरखपुर एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग कानपुर सेण्ट्रल-प्रयागराज जं.-सुल्तानपुर-अयोध्या कैण्ट-अयोध्या के रास्ते चलाई जायेगी ।

9- **गोरखपुर** से 19 एवं 26 दिसम्बर तथा 02 एवं 09 जनवरी को चलने वाली गाड़ी संख्या 15023 गोरखपुर-यशवन्तपुर एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग अयोध्या-अयोध्या कैण्ट-सुल्तानपुर- प्रयागराज जं.-कानपुर सेण्ट्रल के रास्ते चलाई जायेगी ।

10- **यशवन्तपुर** से 14, 21 एवं 28 दिसम्बर तथा 04 एवं 11 जनवरी को चलने वाली गाड़ी संख्या 15024 यशवन्तपुर-गोरखपुर एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग कानपुर सेण्ट्रल-प्रयागराज जं.-सुल्तानपुर-अयोध्या कैण्ट-अयोध्या के रास्ते चलाई जायेगी।

11- **गोरखपुर** से 14, 21 एवं 28 दिसम्बर तथा 04 एवं 11 जनवरी को चलने वाली गाड़ी संख्या 15029 गोरखपुर-पुणे एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग अयोध्या-अयोध्या कैण्ट-सुल्तानपुर- प्रयागराज जं.-कानपुर सेण्ट्रल के रास्ते चलाई जायेगी।

12- **पुणे** से 16, 23 एवं 30 दिसम्बर तथा 06 एवं 13 जनवरी को चलने वाली गाड़ी संख्या 15030 गोरखपुर-पुणे एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग कानपुर सेण्ट्रल-प्रयागराज जं.-सुल्तानपुर-अयोध्या कैण्ट-अयोध्या के रास्ते चलाई जायेगी।

13- **गोरखपुर** से 12, 14, 15, 17, 18, 19, 21, 22, 24, 25, 26, 28, 29 एवं 31 दिसम्बर तथा 01, 02, 04, 05, 07, 08, 09, 11, 12, 14 एवं 15 जनवरी को चलने वाली गाड़ी संख्या 15065 गोरखपुर-पनवेल एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग बस्ती-मनकापुर-अयोध्या-अयोध्या कैण्ट-सुल्तानपुर- प्रयागराज जं.-कानपुर सेण्ट्रल के रास्ते चलाई जायेगी।

## इन ट्रेनों को किया निरस्त

1- **गोरखपुर** से 12, 19, 26 दिसम्बर तथा 02 एवं 09 जनवरी को चलने वाली गाड़ी संख्या 12597 गोरखपुर-छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस एक्सप्रेस

2- **छत्रपति** शिवाजी महाराज टर्मिनस से 13, 20 एवं 27 दिसम्बर तथा 03 एवं 10 जनवरी को चलने वाली गाड़ी संख्या 12598 छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस-गोरखपुर

3- **मुजफ्फरपुर** से 14, 21, 28 दिसम्बर तथा 04 एवं 11 जनवरी को चलने वाली गाड़ी संख्या 15269 मुजफ्फरपुर-साबरमती एक्सप्रेस

4- **गोरखपुर** से 14, 21, 28 दिसम्बर तथा 04 एवं 11 जनवरी को चलने वाली गाड़ी संख्या 15045 गोरखपुर-ओखा एक्सप्रेस

5- **ओखा** से 17, 24, 31 दिसम्बर तथा 07 एवं 14 जनवरी को चलने वाली गाड़ी संख्या 15046 ओखा-गोरखपुर एक्सप्रेस

6- **लोकमान्य** तिलक टर्मिनस से 14, 21 एवं 28 दिसम्बर तथा 04 एवं 11 जनवरी को चलने वाली गाड़ी संख्या 11079 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-गोरखपुर एक्सप्रेस

7- **गोरखपुर** से 16, 23 एवं 30 दिसम्बर तथा 06 एवं 13 जनवरी को चलने वाली गाड़ी संख्या 11080 गोरखपुर-लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्सप्रेस

## ऑफ सीजन, तब भी ट्रेनों में बढ़ा यात्रियों का दबाव

**भोपाल।** ट्रेनों में यात्रियों का दबाव बढ़ता जा रहा है जिसके कारण टिकट की मांग बढ़ी है लेकिन कन्फर्म टिकट नहीं मिल रहे हैं। यात्री परेशान हो रहे हैं। यह हाल ऑफ सीजन होने के बावजूद है, जबकि ऐसी स्थिति तो अवकाश के समय, तीज-त्यौहारों पर व विवाह सीजन में होती है। असल में अलग-अलग रेल मंडलों में बड़े स्तर पर ट्रैक के रख-रखाव का काम किया जा रहा है जिसके कारण ट्रेनों को निरस्त किया जा रहा है। हाल ही में भोपाल रेल मंडल ने भी थोकबंद ट्रेनों को निरस्त कर दिया था। इसके पहले छत्तीसगढ़ और फिर उत्तरप्रदेश ने ट्रेनों को निरस्त करने की घोषणा की थी, जिस पर अमल किया जा रहा है। इसी तरह अन्य मंडलों में भी कुछ न कुछ काम निकल रहा है इसलिए कई ट्रेनें निरस्त है या फिर बदले हुए मार्ग से चल रही है। यही वजह है कि इन ट्रेनों की जगह तय मार्ग व तय समय पर चलने वाली ट्रेनों में दबाव बढ़ गया है। वैसे भी रेल यातायात काफी सुगम और कम खर्चे वाला होता है इसलिए लंबी दूरी के यात्री बस, टैक्सी की बजाए ट्रेनों में यात्रा करना अधिक पसंद करते हैं। रेल यात्रियों का कहना है कि रेलवे को टिकट की मांग को पूरा करना चाहिए, ट्रेनों को निरस्त करने की रूपरेखा काफी पहले से बनानी चाहिए। साथ ही एक साथ सभी मंडलों में काम नहीं निकालना चाहिए, ताकि ट्रेनों को एक साथ निरस्त करने की जरूरत ही न पड़े।

## भाभा विश्वविद्यालय में नेशनल फार्मेसी वीक

**भोपाल, दोपहर मेट्रो।**

भाभा विश्वविद्यालय के तत्वावधान में एवं विश्व फार्मेसिस्ट दिवस के अवसर पर फार्मेसी विभाग में फैकल्टी आफ फार्मेसी द्वारा पांच दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है कार्यक्रम के प्रथम दिन वृक्षारोपण एवं जागरूकता रैली कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वृक्षारोपित पौधों में मुख्य रूप से सभी औषधीय एवं भेषजिक गुणों से युक्त हैं। विश्वविद्यालय के सीईओ प्रसाद पिल्लई ने फार्मासिस्ट की समाज में भूमिका के बारे में बताया।

### दुबई की सिंधी संगत ने

## सिंधी कविता प्रतियोगिता के प्रतिभागियों को मिनीपेड टेबलेट से किया पुरस्कृत

**हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।**

संत नगर स्थित विद्यासागर पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों को सिंधी कविता प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पाने पर सिंधी संगत दुबई द्वारा पुरस्कृत किया गया। आशा चांद द्वारा आयोजित सिंधी संगत की सातवीं इंटरनेशनल सिंधी नर्सरी राइम्स प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक 1 जुलाई से 30 सितंबर के बीच किया गया था, जिसके लिए प्रतियोगी बच्चों को सिंधी भाषा में संगत द्वारा चुने हुए शीर्षकों पर कविता प्रस्तुत करते हुए अपना वीडियो बनाकर दी हुई वेबसाइट www . sidhisangat.com पर अपलोड करना था। प्रधानाध्यापिका मिष्ठी वासवानी, शिक्षिकाओं एवं पालकों के आपसी सहयोग से विद्यासागर पब्लिक स्कूल के कई विद्यार्थियों ने प्रतियोगिता में भाग लिया।
सिंधी संगत द्वारा घोषित प्रतियोगिता के परिणाम में जूनियर कैटेगरी से विद्यासागर पब्लिक स्कूल की कक्षा के.जी. 2 की ख्वाहिश रिझवानी एवं भविशा ज्ञानचंदानी ने प्रथम स्थान प्राप्त करके विद्यालय का गौरव बढ़ाया।
सिंधी संगत द्वारा इसके लिए उन्हें प्रथम पुरस्कार में रियलमी का मिनीपेड टेबलेट देकर पुरस्कृत किया गया साथ ही स्कूल को बधाई दी गई। स्कूल परिवार द्वारा इन विद्यार्थियों के अभिभावकों को बधाई देते हुए उनका आभार व्यक्त किया गया। विद्यासागर पब्लिक स्कूल के निदेशक भगवान दामानी, अकादमिक हेड जयश्री मूर्ति एवं प्रधानाध्यापिका द्वारा स्कूल असेंबली में इन विद्यार्थियों को बधाई देते हुए अन्य सभी विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया गया।

### इस बार ईवीएम से होंगे भोपाल अभिभाषक संघ के चुनाव

# 8 जनवरी को मतदान, आज नामांकन पत्र जमा करने का अंतिम दिन

**भोपाल, दोपहर मेट्रो।**

जिला अभिभाषक संघ के 8 जनवरी को होने वाले द्विवार्षिक चुनाव इस बार ईवीएम से कराए जाएंगे। चुनाव को लेकर भोपाल जिला न्यायालय परिसर में तैयारियां चल है और प्रत्याशियों और मतदाताओं में सरगर्मी तेज हो गई हैं। कार्यक्रम जारी होने के साथ ही भावी प्रत्याशी जोर-शोर से अपने चुनाव प्रचार में जुटे हुए हैं। मुख्य चुनाव अधिकारी रविंद्र तिवारी ने यह जानकारी देते हुए बताया कि सोमवार से उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र जमा होना शुरू हो गए है। पहले दिन अध्यक्ष पद पर 8, उपाध्यक्ष पद पर 4 सचिव पद पर 2 नामांकन फार्म पहुंचे हैं। 12 दिसम्बर को नामांकन भरने की आखिरी तिथि हैं। चुनाव ईवीएम से कराने से समय और धनराशि की भारी बचत होगी। ईवीएम का डेमो भी सोमवार को डीबीए कार्यालय प्रदर्शित किया गया। चुनाव समिति ने निर्णय लिया है की उम्मीदवार की वरिष्ठता स्टेट बार काउंसिल के पंजीयन से निर्धारित की जाएगी।

### 12 जनवरी को नई कार्यकारिणी होगी तैयार

20 और 21 दिसंबर को नामांकन फार्म वापसी के बाद 22 दिसंबर को उम्मीदवारों की अंतिम सूची का प्रकाशन किया जाएगा। 4 एवं 5 जनवरी को टेंडर वोटिंग होगी। 8 जनवरी को सुबह 8 बजे से शाम 5 बजे तक मतदान किया जाएगा। 9 और 10 जनवरी को मतगणना के बाद परिणाम घोषित किए जा सकेंगे। 12 जनवरी को नई कार्यकारिणी का कार्यभार ग्रहण होगा।

# बीयू में 18 दिसंबर से तृतीय सेमेस्टर के साथ होंगी पूरक परीक्षाएं

**भोपाल, दोपहर मेट्रो।**

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय द्वारा एमए, एमकॉम और एमएससी के तृतीय सेमेस्टर के साथ पूरक परीक्षाएं आयोजित की जाएगी। यह परीक्षाएं 18 और 19 दिसंबर से शुरू होंगी। परीक्षाएं दोपहर दो बजे से शाम पांच बजे तक चलेंगी।

जानकारी के अनुसार, एमए तृतीय सेमेस्टर, एमए हिस्ट्री तृतीय सेमेस्टर की परीक्षा 18 से 26 दिसंबर तक होगी। वहीं एमए व एमएससी न्यू मैथेमेटिक्स एवं पूरक परीक्षा 18 दिसंबर से शुरू होकर 3 जनवरी तक चलेंगे। इसी तरह एमएससी तृतीय सेमेस्टर के तहत होम साइंस, रिसोर्स मैनेजमेंट, फुड न्यूट्रिशियन, एमकॉम तृतीय सेमेस्टर और मून डिपार्टमेंट के पेपर 19 से 27 दिसंबर तक, जबकि एमसएसी तृतीय सेमेस्टरके पेपर 19 दिसंबर से 2 जनवरी तक आयोजित किए जाएंगे।

**मेट्रो एंकर** | संत नगर में हुई अशासकीय शिक्षण संस्था संगठन की अहम बैठक

# पदाधिकारी बोले - एमपी बोर्ड से पांचवी बोर्ड परीक्षा निरस्त करने की करेंगे मांग

**हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।**

अशासकीय शिक्षण संस्था संगठन संत हिरदाराम नगर बैरागढ़ की बैठक संस्कार स्कूल में आयोजित की गई। बैठक में पदाधिकारी द्वारा कई विषय पर चर्चा की गई, जिसमें पांचवी और आठवीं की बोर्ड परीक्षा पर विचार विमर्श हुआ। पांचवीं परीक्षा बोर्ड पैटर्न पर करने से विद्यार्थीयो को कोई भी लाभ नहीं होता दिखाई दे रहा है। जिसे हम पिछले वर्ष के परीक्षा परिणाम के रूप में देख चुके हैं। संस्था के अध्यक्ष डॉ मेनिस मेथयूज़ द्वारा कहा गया कि नेशनल एजुकेशन पॉलिसी द्वारा शिक्षा नीति में कई प्रकार के बदलाव किए गए हैं, परंतु पांचवी बोर्ड परीक्षा का बोझ बच्चे वहन नहीं कर पा रहे हैं। इसलिए सचिव माध्यमिक शिक्षा

मंडल, जिला शिक्षा अधिकारी एवं जे.डी महोदय से पत्र व्यवहार के माध्यम से अवगत कराया जाएगा कि पांचवी की बोर्ड परीक्षा को निरस्त किया जाए। संस्था के सचिव बसंत चेलानी ने कहा कि कई वर्षों से विद्यालय को ऋणश्व फीस का पूर्व के वर्षों की फीस का भी भुगतान नहीं किया गया है। पत्र व्यहवार के माध्यम से शिक्षा विभाग को पिछले वर्षों एवं 2022-23 की ऋणश्व का भुगतान जल्द से जल्द करने हेतु अवगत करवाया जाएगा। बैठक में मुख्य रूप से संस्था के संरक्षण विष्णु गेहानी, संस्था के अध्यक्ष डॉ. मेनिस मैथ्यूज, संस्था के सचिव बसंत चेलानी, संस्था के प्रवक्ता चंदर नागदेव, योगेश हिंगोरानी, कविता इसरानी जी, रश्मि अग्रवाल जी, हर्षिता शास्त्री, जाह्नवी शर्मा, आरके मिश्रा, आनंद वाधवानी उपस्थित थे।

## दुआ-ए-खैर के साथ चार दिवसीय इज्तिमा का हुआ समापन

**भोपाल, दोपहर मेट्रो।**

ऐ अल्लाह! हम गुनहगार हैं, खतावार हैं, बदकार हैं...तेरे हुक्म से गाफिल हैं लेकिन जो हैं, जैसे हैं तेरे बंदे हैं...ऐ अल्लाह, तू रहीम है, हम पर रहम कर दे... तू करीम है, हम पर करम कर दे। हमारे गुनाहों का बोझ बहुत है, लेकिन तू गुनाहों को माफ करने वाला है, अपने बंदों पर रहम करने वाला है... हमें भी माफ कर दे...! ऐ अल्लाह, सारी दुनिया को इल्म के नूर से रोशन कर दे...ऐ अल्लाह सारी कायनात में अमन, सुकून, भाईचारे की हवाएं चला दे... ऐ अल्लाह इस शहर, सूबे, मुल्क को कामयाबी, तरक्की की बुलंदियों से मालामाल कर दे...ऐ अल्लाह दुनिया के हर इंसान को सच्चाई, ईमानदारी और हक पर चलने की आसानी फरमा दे...! यह सब बातें राजधानी के ईंटखेड़ी में चल रहे चार दिवसीय इज्तिमा के समापन पर सामूहिक दुआ में कही गईं।

विधायक दल की बैठक से पहले कार्यालय प्रांगण में भाजपा विधायकों का समूह चित्र लिया गया।

# अपना नाम सुनकर सहसा चौंक गए थे यादव!

भाजपा कार्यालय में बैठक के बाद विधायक दल के नेता चुने जाने पर मोहन यादव को बधाई देते हुए निवर्तमान मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान व भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा। - फोटो निर्मल व्यास

**भोपाल, दोपहर मेट्रो।**

मप्र में भाजपा विधायक दल के नेता के चुनाव के लिये बुलाई बैठक में जबर्दस्त सस्पेंस का माहौल था लेकिन कुछ ही मिनटों पर सारा सस्पेंस जाता रहा। भाजपा हाइकमान ने सभी कयासों से परे जाते हुए प्रदेश में मुख्यमंत्री पद के लिए ऐसे नाम की घोषणा की, जिसने सभी को चौंका दिया। इससे बैठक में मौजूदा अधिकांश विधायक न सिर्फ चौंके बल्कि खुद मोहन यादव भी कम हैरान नहीं नजर आए। बताया जाता है कि विधायक दल की बैठक में अपना नाम सुनकर उज्जैन (दक्षिण) से भाजपा विधायक यादव अवाक दिखे थे। वे उस वक्त बैंक में तीसरी पंक्ति में बैठे थे। जब शिवराज सिंह ने माइक से कहा - अरे मोहनजी, खड़े तो हो जाइए,अब यहां आईए। तब डॉ. मोहन यादव खड़े हुए और सभी विधायकों ने उनका स्वागत करते हुए तालियां बजाई।

यादव राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक रहे हैं और अब संभवत-एक दो दिन में 19वें मुख्यमंत्री की शपथ लेंगे। इसके साथ ही 18 वर्ष बाद भाजपा में नया नेतृत्व आयेगा। इस चौंकाने वाले निर्णय के बाद राजनीति के गलियारों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की जोड़ी चर्चा में है। लोगों का कहना है कि उक्त दोनों राजनेताओं को ऐसे ही नहीं, चौंकाने वाले निर्णयों के लिए जाना जाता है। यादव युग के साथ अब मप्र में कई राजनीतिक व प्रशासनिक परिवर्तन भी नजर आ सकते हैं।

मंगलवार सुबह मप्र कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने वीआईपी गेस्ट हाउस पहुंच भावी मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को शुभकामनाएं दी।

### एनएलआईयू में प्रो. मोहंती का मामला

# हाईकोर्ट रिटायर्ड जज करेंगे मामले की नए सिरे से जांच, होंगे दोनों पक्षों के बयान

## विद्यार्थियों ने कहा- प्रबंधन के खिलाफ सड़क पर उतरेंगे अब कार्य परिषद की बैठक में रखी जाएगी रिपोर्ट

**भोपाल, दोपहर मेट्रो।** नेशनल लॉ इंस्टीट्यूट यूनिवर्सिटी (एनएलआईयू) में यौन उत्पीड़न मामले में फंसे प्रो. तपन आर मोहंती की वापसी फिलहाल टल गई है। इस मामले में अब नए सिरे से जांच होगी। कार्यपरिषद (ईसी) द्वारा अब हाईकोर्ट के रिटायर्ड जज के माध्यम से इस मामले की जांच कराई जाएगी। दोनों पक्षों के फिर बयान। जिसके बाद रिपोर्ट कार्यपरिषद (ईसी) की अगली बैठक में रखी जाएगी। ईसी दोनों पक्षों को नए सिरे से सुनने के बाद बैठक में निर्णय लेगी। इधर मामले में विद्यार्थियों का कहना है कि मोहंती की वापसी एनएलआईयू में होती है, तो प्रबंधन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने के लिए सड़क पर उतरेंगे।

फाइल फोटो

### छात्राएं बयान देने नहीं पहुंचीं

उल्लेखनीय है कि प्रो. मोहंती के मामले में हाईकोर्ट के आदेश के बाद एग्जीक्यूटिव काउंसिल (ईसी) की विशेष बैठक बुलाई गई। ईसी में आरोपी प्रो. मोहंती के साथ ही आरोप लगाने वाली छात्राओं को बुलाया गया था। इसमें प्रो. मोहंती ने पहुंचकर पक्ष रखा, लेकिन छात्राएं बयान देने नहीं पहुंचीं। एसआईटी ने भी विवि को रिपोर्ट नहीं सौंपी हैं।

### दबाव डालकर इस्तीफा ले लिया

प्रो. मोहंती ने ईसी को बताया कि उन पर दबाव डालकर इस्तीफा ले लिया गया है। जबकि इस मामले किसी प्रकार की कोई जांच नहीं हुई और न ही आरोप सिद्ध हुए हैं। इसके चलते ईसी ने पूरे मामले की जांच के लिए एक रिटायर्ड जज की नियुक्ति किए है।

### छात्रों का रुझान कृषि के प्रति बढ़ रहा

# नई शिक्षा नीति: कॉलेजों में शुरू हुए 200 से अधिक वोकेशनल कोर्स

**भोपाल, दोपहर मेट्रो।**

शैक्षणिक वर्ष 2023-24 में स्नातक प्रथम वर्ष में कई विद्यार्थियों ने जैविक खेती को एक विषय के रूप में चुना है। बीते दो-तीन सालों में विषय चुनने का आंकड़ा बढ़ गया है। पिछले वर्ष 76,518 विद्यार्थियों ने इस विषय को चुना था। हालांकि इन विद्यार्थियों ने यह विषय वोकेशनल कोर्स के तौर पर चुना है। जानकारी के अनुसार राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत कॉलेजों में 200 से अधिक वोकेशनल कोर्स शुरू किए हैं। इसके अंतर्गत केटरिंग प्रबंधन, पौध रोग और संरक्षण, मृदा विज्ञान और उर्वरक, जैविक खेती, वर्मी कंपोस्टिंग, डेयरी प्रबंधन, औषधीय पौधों, खाद्य सुरक्षा सहित अन्य पाठ्क्रम शामिल हैं। बताया जाता है कि अब प्रैक्टिकल नॉलेज के लिए छात्रों को ग्रामीण क्षेत्रों में खेतों का भ्रमण कराया जाएगा।

## टीचिंग की एडिशनल स्किल्स निटर के छात्रों को सिखाई जाएगी

**भोपाल, दोपहर मेट्रो।**

बीते दिन हुई बैठक में निटर की भावी अकादमिक कार्ययोजना से सम्बंधित महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। इनमें देश के शिक्षाविदों और निटर फैकल्टी मेंबर्स के सुझाव शामिल हैं। राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान से डिग्री लेने वाले स्टूडेंट्स को इमर्जिंग टेक्नोलॉजी के साथ अब टीचिंग की एडिशनल स्किल्स भी सिखाई जाएंगी। इससे वह भविष्य में एक अच्छे टीचर भी बन सकें। इसकी जानकारी निटर के निदेशक प्रो. सीसी त्रिपाठी ने एकेडेमिक काउंसिल की बैठक में दी। उन्होंने इस बैठक में निटर भोपाल को डीम्ड यूनिवर्सिटी के स्टेटस के अनुसार स्टार्ट किए जाने वाले विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों की रूपरेखा, उनके क्रियान्वयन, कोर्स कंटेंट, विभिन्न सेंटर्स की स्थापना आदि पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में निटर की हाईटेक लैब्स व फैसिलिटीज स्टूडेंट्स को उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है।

## आवेदनों में त्रुटि सुधार का आज अंतिम मौका

**भोपाल, दोपहर मेट्रो।**

जेईई मेन के लिए आवेदन प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। आवेदनों में त्रुटि सुधार के लिए विद्यार्थियों के पास आज अंतिम मौका है। परीक्षा दो सत्र में होगी। संयुक्त प्रवेश परीक्षा जेईई (मेन) जनवरी में होगी। वहीं, दूसरे सत्र की परीक्षा अप्रैल में आयोजित की जाएगी। बताया गया कि परिणाम 12 फरवरी और सेशन-2 का परिणाम 25 अप्रैल को जारी कर दिया जाएगा।

**मेट्रो एंकर** 20 दिसंबर से 4 से लेकर 8वीं तक परीक्षाओं की शुरुआत

# बदलाव: अब से परीक्षा में विद्यार्थियों को सह उत्तर पुस्तिका नहीं मिलेंगी

**भोपाल, दोपहर मेट्रो।**

प्रदेश के सरकारी स्कूलों में कक्षा 4 से लेकर 8वीं तक परीक्षाओं की शुरुआत 20 दिसंबर से होंगी। इस बार खास बात यह भी है कि परीक्षा में विद्यार्थियों को सह उत्तर पुस्तिका नहीं मिलेंगी। पिछले वर्षों की तरह प्रश्न पत्र सह उत्तर पुस्तिका नहीं दी जाएगी, बल्कि प्रश्न पत्र व उत्तर पुस्तिका अलग-अलग रहेंगे। उत्तर पुस्तिका में प्रश्नों के क्रमांक दर्ज रहेंगे, जहां पर बच्चों को उत्तर लिखना है।

### राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा इस बार परीक्षा के पैटर्न में बदलाव

राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा इस बार परीक्षा के पैटर्न में बदलाव किया गया है। इस बदलाव से परीक्षा के दौरान परीक्षा सामग्री की कमी की स्थिति से निपटने में आसानी रहेगी, पूर्व में प्रश्न पत्र सह उत्तर पुस्तिका की फोटोकॉपी कराने व अन्य इंतजाम में कई दिक्कतें आती थीं, इसमें समय भी अधिक लग जाता था। इसमें ऊपर प्रश्न और नीचे उत्तर लिखने की जगह रहती थी।

सुविचार

शब्द ही खुशी शब्द ही गम,
शब्द ही परेशानी शब्द ही सुलझन।'
– अज्ञात

l ikndh;

# अब नयी शुरूआत का वक्त

सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले ने जम्मू-कश्मीर को हासिल विशेष दर्जा समाप्त किए जाने से जुड़े विवाद पर अब पूर्ण विराम लगा दिया है। संविधान के अनुच्छेद 370 पर आया यह फैसला निर्विवाद रूप से युगांतरकारी कहा जा सकता है। फैसले ने तीन बातें शीशे की तरह साफ कर दी हैं। पहली यह कि अनुच्छेद 370 एक अस्थायी प्रावधान था। दूसरी, जम्मू-कश्मीर को किसी भी रूप में आंतरिक संप्रभुता हासिल नहीं थी। तीसरी बात यह कि इस विशेष प्रावधान को समाप्त करने के पीछे किसी तरह की दुर्भावना नहीं है। यह पूरी प्रक्रिया वैध और संवैधानिक है। इन तीनों बिंदुओं पर सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के बाद अब इस विवाद को आगे बढ़ाने की न कोई गुंजाइश रह गई है और न ही जरूरत। जहां तक जम्मू-कश्मीर राज्य को केंद्रशासित क्षेत्र घोषित किए जाने की बात थी, तो इससे केंद्र-राज्य संबंधों के कई जटिल पहलू भी जुड़े हुए थे। सुप्रीम कोर्ट ने इस सवाल को खुला रखा है, लेकिन सॉलिसिटर जनरल की बात को संज्ञान में लेते हुए केंद्र सरकार से कहा है कि जम्मू-कश्मीर को जल्द से जल्द राज्य का दर्जा दिया जाए। लद्दाख के केंद्रशासित क्षेत्र बने रहने में कोई बाधा नहीं है। फैसले का एक अहम हिस्सा वह है, जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को निर्देश दिया है कि अगले साल सितंबर तक हर हाल में जम्मू-कश्मीर में चुनाव करवा लिए जाएं। चूंकि जम्मू-कश्मीर अन्य क्षेत्रों की तरह देश का अभिन्न हिस्सा है, इसलिए यह सुनिश्चित करना सरकार और सभी संवैधानिक संस्थानों का दायित्व है कि आम देशवासियों की तरह वहां के नागरिकों के भी सभी संवैधानिक और लोकतांत्रिक अधिकार कायम रहें। जब ऐतिहासिक विवादों और बहसों को सेटल किया जा रहा हो तब यह बात भुलाई नहीं जा सकती कि जम्मू-कश्मीर इस मायने में भी खास रहा है कि वहां के लोगों को आतंकवाद और अलगाववाद के प्रभावों के चलते कई तरह की तकलीफें लंबे समय तक झेलनी पड़ी हैं। ढाई दशक में इसकी कीमत कश्मीर को हर तरीके से चुकाना पड़ी है। वहां की जनता अपने ?अधिकारों व बेहतर जीवन जीने की चाह को मजबूरन ताक पर रखी हुई दिखी है। दहशत ने सामाजिक व आर्थिक ढांचे को भी बरबाद ही किया है। इस लिहाज से जस्टिस एसके कौल के जजमेंट में की गई यह सिफारिश बेहद अहम है कि स्टेट और नॉन स्टेट प्लेयर्स की तरफ से 1980 के बाद से वहां हुए कथित मानवाधिकार उल्लंघन के मामलों की जांच के लिए एक आयोग बनाया जाए। कुल मिलाकर देखा जाए तो सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले ने एक पुराने और जटिल विवाद को पीछे छोड़ते हुए जम्मू-कश्मीर को और वहां के लोगों को साथ लेकर आगे बढ़ने की एक मजबूत जमीन तैयार की है। अब उम्मीद की जाना चाहिये कि सभी पक्ष इस मौके का बेहतर इस्तेमाल करेंगे और देश के इस बेहद खूबसूरत हिस्से को हर तरह से सुंदर बनाने के प्रयास करेंगे। अगले नौ महीने के भीतर जब कश्मीर में चुनाव होंगे तो यह राज्य के निवासियों के लिये मौका होगा कि वह अपनी सरकार चुनें और अपना विकास तथा भविष्य का रास्ता प्रशस्त करें। कश्मीर के सभी राजनीतिक दलों को भी पुरानी हठ और तल्खी छोड़कर आगे आना चाहिये और स्वस्थ राजनीतिक प्रक्रिया में भागीदार बनना चाहिये। अब यही उचित है कि कल भी बीती सारी बातों को भुलाकर नयी सुबह और नये नजारे को देखा जाए।

# चुनाव के ढंग बदल रहे हैं, अब अंतिम दौर की कवायद पर टिका सब कुछ

**पी. चिदंबरम**

चुनाव अब केवल दोनों पक्षों के भाषणों, नीतियों या घोषणा-पत्रों की लड़ाई नहीं रह गए हैं। अंतिम समय के अभियानों, बूथ प्रबंधन और उदासीन मतदाताओं को मतदान केंद्रों तक लाने की क्षमता से ही आज चुनाव जीते या हारे जा रहे हैं।

चुनाव चाहे कोई भी हो, लेकिन खासकर राज्य विधानसभा चुनावों के बाद शोर-शराबा होता ही है। जिन्हें जीत मिली, वे जश्न मनाते हैं और हारने वाले राजनीतिक दलों के समर्थक आरोप-प्रत्यारोप का खेल खेलते हैं। लेकिन चार राज्यों के विधानसभा चुनावों के नतीजे सामने आने के बाद जो शांति दिख रही है, वह सामान्य नहीं है। अगर यह प्रतिद्वंद्वी राजनीतिक दलों के परिपक्व व्यवहार का प्रमाण है तो हम इसका स्वागत कर सकते हैं। लेकिन अगर इसकी वजह कांग्रेस की उदासीनता है तो यह चिंता का विषय है। चलिए, शुरुआत करते हैं मेरे एक गलत अनुमान से। मैंने लिखा था कि छत्तीसगढ़ में कांग्रेस आ रही है, लेकिन मैं गलत था। कांग्रेस की 35 की तुलना में 54 सीटों के साथ भाजपा को वहां प्रभावी अंतर के साथ जीत मिली। कांग्रेस शुरुआत से ही राज्य पर दावा कर रही थी, जिसे सभी सर्वेक्षणों में माना भी जा रहा था। कई लोगों से बातचीत के आधार पर मैं भी इससे सहमत था। लेकिन नतीजों ने भाजपा को छोड़ सभी को हैरत में डाल दिया। यह पता चला कि सामान्य, एससी और एसटी सीटों पर कांग्रेस के वोट शेयर में भारी कमी आई। 2018 में जीतीं एसटी की सभी सीटें गंवाने के साथ ही कांग्रेस ने अपनी हार की कहानी लिख दी। हालांकि आपको याद होगा कि राजस्थान और मध्य प्रदेश के संबंध में कांग्रेस के दावों को मैंने स्वीकार नहीं किया था। राजस्थान में गहलोत सरकार ने अच्छा काम किया था, लेकिन सत्ता विरोधी लहर उनके गले की फांस बन गई। नतीजा यह रहा कि गहलोत सरकार के 17 मंत्री और कांग्रेस के 63 विधायकों को चुनावों में मुंह की खानी पड़ी। इससे मंत्रियों और विधायकों को लेकर जनता की भारी नाराजगी का संकेत मिलता है। जाहिर है कि चुनावी सर्वे जनता की नाराजगी के स्तर को भांप नहीं सके। आखिरकार, 1998 के बाद से राजस्थान के मतदाताओं की कांग्रेस और भाजपा में अदला-बदली करने की आदत जारी रही। दूसरी ओर, मध्य प्रदेश में उल्लेखनीय विफलताओं और भ्रष्टाचार के आरोपों के बीच शिवराज सिंह चौहान ने खासकर महिलाओं को लाभान्वित करने वाली लाडली बहन जैसी कई योजनाएं लागू कीं, जिनका फायदा उन्हें मिला। यह राज्य हिंदुत्व की प्रयोगशाला भी था। आरएसएस और इसके सहयोगी संगठनों ने पूरी सक्रियता के साथ जनता में गहरी जड़ें जमाई थीं।

भाजपा सरकार को मध्य प्रदेश से उखाड़ने के लिए संगठन की तरफ से सशक्त प्रयासों की जरूरत थी, लेकिन कांग्रेस ने स्पष्ट तौर पर वैसा कुछ नहीं किया। जबकि भाजपा ने राज्य में केंद्रीय मंत्रियों, मौजूदा सांसदों सहित कद्दावर नेताओं का जमावड़ा एकत्र किया। समय व संसाधनों के भारी निवेश ने स्वाभाविक ही नतीजों को भाजपा के पक्ष में झुका दिया। तेलंगाना में जरूर मैंने बीआरएस सरकार के खिलाफ एक



ग्रामीण लहर को महसूस किया था और किसी चमत्कार के होने की संभावना भी जाहिर की थी। के चंद्रशेखर राव को पृथक तेलंगाना राज्य हासिल करने और वहां रायथु बंधु जैसी लाभकारी योजनाएं शुरू करने का श्रेय जाता है, जिनमें किसानों को धन हस्तांतरित किया गया। लेकिन सत्ता का एक ही परिवार में सिमटना, भ्रष्टाचार के आरोप, हैदराबाद केंद्रित विकास, मुख्यमंत्री की खुद को अलग-थलग रखने वाली शख्सियत और चरम बेरोजगारी ने सरकार के खिलाफ एक लहर पैदा की, जिस पर सवार रेवंत रेड्डी ने एक आक्रामक अभियान चलाया और कांग्रेस को जीत दिलाई।

अंतर कम रहा– तीन हिंदी भाषी राज्यों में हार मिलने के बावजूद कांग्रेस का वोट शेयर बरकरार रहा। आंकड़े खुद ही बोलते हैं।अच्छी बात यह है कि द्विध्रुवीय प्रतिस्पर्द्धी राजनीति अभी जिंदा है। कांग्रेस का वोट शेयर चारों राज्यों में 40 फीसदी यानी करीब 2018 जितना ही रहा, जो चुनावी लोकतंत्र के लिए अच्छा संकेत है। दूसरी ओर, भाजपा को चारों राज्यों में वोट शेयर में बढ़त मिली और उसने चारों राजधानियों और शहरी क्षेत्रों की ज्यादातर सीटें जीत लीं। मध्य प्रदेश को छोड़ कर बाकी जगहों पर वोट शेयर में अंतर काफी कम है। छत्तीसगढ़ में 4.04 फीसदी का अंतर आदिवासी वोटों के शिफ्ट होने की वजह से हुआ। यहां अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षित 29 सीटों में से 17 भाजपा और 11 कांग्रेस ने जीतीं। राजस्थान में 2.16 फीसदी का अंतर तो और भी कम था।

चुनाव बदल गए हैं– वोट शेयर में जो अंतर रहे, उन्हें समझने के लिए चुनावों की बदलती प्रकृति को समझना जरूरी है। चुनाव अब केवल दोनों पक्षों के भाषणों, रैलियों, नीतियों या घोषणा-पत्रों की लड़ाई नहीं रह गए हैं। इन सभी का महत्व है, लेकिन ये पर्याप्त नहीं हैं। अंतिम समय के अभियानों, बूथ प्रबंधन और उदासीन मतदाताओं को मतदान केंद्रों तक लाने की क्षमता से ही आज चुनाव जीते या हारे जा रहे हैं। इसके लिए हर निर्वाचन क्षेत्र में समय, ऊर्जा और पैसे के भारी निवेश की जरूरत होती है, जो इस बार भाजपा ने कामयाबी के साथ किया। 2024 के लोकसभा चुनाव की ओर बढ़ने के साथ हवा का रुख भाजपा के साथ दिखता है। कम से कम हिंदी भाषी राज्यों में भाजपा मतदाताओं का ज्यादा से ज्यादा ध्रुवीकरण करते हुए हिंदुत्व के एजेंडे को आगे ले जाने की कोशिश करेगी। इससे संघवाद, धर्मनिरपेक्षता, संस्थागत स्वतंत्रता, व्यक्ति व मीडिया की स्वतंत्रता, मानवाधिकार, धार्मिक स्वतंत्रता, निजता और डर से स्वतंत्रता जैसी धारणाओं को नुकसान पहुंच सकता है। यह जरूरी है कि भारतीय लोग अपनी सरकार खुद चुनें, लेकिन लोकतंत्र के बाकी स्तंभों को बचाना भी उतना ही जरूरी है।

**साभार :** लेखक पूर्व केंद्रीय मंत्री हैं, यह उनके विचार हैं।

## कविता

## जीवन की ही जय है

मृषा मृत्यु का भय है
जीवन की ही जय है।

जीव की जड़ जमा
रहा है
नित नव वैभव कमा
रहा है
यह आत्मा अक्षय है
जीवन की ही जय है।

नया जन्म ही जग
पाता है
मरण मूढ़-सा रह
जाता है

एक बीज सौ
उपजाता है
सृष्टा बड़ा सदय है
जीवन की ही जय है।

जीवन पर सौ बार
मरूँ मैं
क्या इस धन को गाड़
धरूँ मैं
यदि न उचित उपयोग
करूँ मैं
तो फिर महाप्रलय है
जीवन की ही जय है।

– मैथिलीशरण गुप्त

## आज का इतिहास

- **2008–** प्रशासनिक सुधार आयोग के अध्यक्ष एम वीरप्पा मोइली ने सरकारी कर्मचारियों के सेवा निगमों में व्यापक बदलाव की सिफ़ारिश की। रमन सिंह छत्तीसगढ़ के व शिवराज सिंह ने मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली।
- **2007** - पेरु की एक अदालत ने पूर्व राष्ट्रपति एल्बर्टो फूजीमारो को छ– साल का कारावास व 13,000 डॉलर के जुर्माने की सज़ा सुनाई। मलेशिया ने तान सेंग सुन को भारत में अपना नया उच्चायुक्त नियुक्त किया। अमेरिकी संसद ने म्यांमार पर नए प्रतिबन्ध लगाए।
- **2001** - भारत ने नेपाल को दो चीता हैलीकॉप्टर और हथियार दिये।
- **1998** - अमेरिकी सदन की न्यायिक समिति द्वारा राष्ट्रपति बिल क्लिंटन के ख़िलाफ़ महाभियोग चलाने की मंजूरी, साहित्य के क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार विजेता अलेक्ज़ेंडर लोल्भनित्भिन रूस के सर्वोच्च सांस्कृतिक पुरस्कार को लेने से इंकार किया।
- **1996** - भारत एवं बांग्लादेश के मध्य गंगाजल के बंटवारे को लेकर 30 वर्षीय संधि पर हस्ताक्षर।
- **1992** - हैदराबाद के हुसैन सागर झील में विशालकाय बुद्ध प्रतिमा स्थापित की गई।
- **1990** - टी. एन. शेषन - मुख्य निर्वाचन आयुक्त हुए।
- **1981** - पेरू के पूर्व प्रतिनिधि जेवियर पेरेज द कुइयार सं.रा. संघ के महासचिव निर्वाचित।
- **1971** - भारतीय संसद द्वारा पूर्व राजाओं को प्रदान की जानी वाली सभी सुविधायें रद्द कर दी गई।
- **1936** - चीन के नेता च्यांग काई शेक ने जापान के खिलाफ युद्ध की घोषणा की।
- **1917** - फ्रेंच आल्प्स में फ्रांसीसी सेना की ट्रेन के पटरी से उतरने से 543 लोगों की मौत हो गयी।

# यूजीसी और एनसीईआरटी का हिन्दू राष्ट्र शैक्षणिक कार्यक्रम

**राम पुनियानी**

भाजपा सरकार केंद्र में अपनी सत्ता की दूसरी पारी के अंत की ओर है। करीब दस साल की इस अवधि में सरकार ने देश के लगभग सभी संस्थानों और संस्थाओं की दशा और दिशा में जो बदलाव किये हैं, वे सबके सामने हैं। ईडी, आयकर विभाग और सीबीआई ने विपक्षी पार्टियों के खिलाफ वह सब कुछ किया, जो वे कर सकती थीं। कई मौकों पर चुनाव आयोग की भूमिका भी निष्पक्ष नहीं रही है। इस बीच, यूजीसी और एनसीईआरटी शिक्षा प्रणाली और पाठ्यक्रमों में सत्ताधारी दल को सुहाने वाले परिवर्तन करने में व्यस्त रही हैं।

नयी शिक्षा नीति (एनईपी) हमारी शिक्षा व्यवस्था के ढांचे और स्वरुप में आमूलचूल परिवर्तन लाने वाली है। सरकार द्वारा नियमित रूप से ऐसे निर्देश जारी किये जा रहे हैं जिनसे विद्यार्थियों के मनो-मस्तिष्क में हिन्दू राष्ट्रवादी विचार और सिद्धांत बिठाये जा सकें। सरकार ने सबसे पहले विद्यार्थियों के आंदोलनों और उनके प्रतिरोध को कम?र करने और उनमें भागीदारी करने वालों को डराने-धमकाने का अभियान शुरू किया। इन आंदोलनों के नेताओं पर राष्ट्रद्रोही का लेबल चस्पा कर दिया गया। तत्कालीन मानव संसाधन विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने प्रस्तावित किया कि प्रत्येक केन्द्रीय विश्वविद्यालय के प्रांगण में एक बहुत ऊंचे खम्बे पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाए। यह भी प्रस्तावित किया गया कि जवाहरलाल नेहरु विश्वविद्यालय (जेएनयू) के कैंपस में सेना का एक टैंक स्थापित किया जाए। वह इसलिए क्योंकि वहां के विद्यार्थी ऐसे मसले उठा रहे थे जो सरकार को पसंद नहीं थे। हाल में इसी तर्ज पर कई निर्देश / आदेश जारी किये गए हैं। इनमें से एक यह है कि आरएसएस के प्रचारक और अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् (एबीवीपी) के संस्थापक दत्ताजी दिदोलकर की जन्म शताब्दी को मनाने के लिए एक साल तक चलने वाले आयोजनों में विद्यार्थियों की भागीदारी सुनिश्चित की जाए। एक हिन्दू राष्ट्रवादी को राष्ट्रनायक का दर्जा देने का इस प्रयास का फोकस महाराष्ट्र के कॉलेजों पर है। क्या हिन्दू राष्ट्रवादी नेताओं को हीरो बनाने का यूजीसी का यह प्रयास उचित है? क्या हमें उन नायकों को याद नहीं करना चाहिए जो भारतीय राष्ट्रवाद के हामी थे और जिन्होंने ब्रिटिश औपनिवेशिक सरकार के खिलाफ संग्राम का नेतृत्व




किया था? आरएसएस से जु? दिदोलकर न तो स्वाधीनता संग्राम का हिस्सा थे और ना ही वे भारतीय संविधान के मूल्यों में आस्था रखते थे।

यूजीसी ने एक और सर्कुलर जारी कर कहा है कि कॉलेजों में 'सेल्फी पॉइंट' बनाए जाने चाहिए जिनकी पृष्ठभूमि में प्रधानमंत्री मोदी का चित्र हो। कहने की ?रुरत नहीं कि यह 2024 के आमचुनाव की तैयारी है। किसी भी प्रजातान्त्रिक देश में ऐसा नहीं होना चाहिए। क्या सरकार को किसी भी एक पार्टी के शीर्ष नेता का प्रचार करना चाहिए? क्या यह प्रजातान्त्रिक मानकों का उल्लंघन नहीं है? प्रजातान्त्रिक और संवैधानिक मूल्यों का इस तरह का खुल्लमखुल्ला मखौल क्या सरकार द्वारा अपनी शक्तियों के घोर दुरुपयोग के श्रेणी में नहीं आता? इससे भी एक कदम आगे ब?कर, यह निर्देश जारी किया गया है कि कक्षा सात से लेकर कक्षा बारह तक के विद्यार्थियों को इतिहास के पाठ्यक्रम के भाग के रूप में 'रामायण' और 'महाभारत' पढाया जाना चाहिए (टाइम्स ऑ? इंडिया, 22 नवम्बर, 2023)। एनसीआरटी के एक्सपर्ट पैनल के अनुसार इससे देश के लोगों में देशभक्ति और स्वाभिमान के भाव जागृत होंगे और वे अपने देश पर गर्व करना सीखेंगे! भारत के ये दो महान महाकाव्य निश्चित तौर पर हमारे पौराणिक साहित्य का हिस्सा हैं। वे उस समय के सामाजिक मूल्यों और मानकों का प्रतिनिधित्व करते हैं जिस समय वे लिखे गए थे। हम इन महाकाव्यों से उस समय के समाज के बारे में बहुत कुछ जान सकते हैं।

रामायण भारत में ही नहीं वरन श्रीलंका, थाईलैंड, बाली और सुमात्रा सहित एशिया के कई देशों में अत्यंत लोकप्रिय हैं। रामायण के कई अलग-अलग संस्करण हैं। रामायण के मूल लेखक वाल्मीकि थे। गोस्वामी तुलसीदास ने जनभाषा अवधी में उसका अनुवाद कर उसे आम जनता तक पहुँचाया। सोलहवीं सदी से रामायण उत्तर भारत की जन संस्कृति का हिस्सा बनी हुई है। भगवान राम की वह कथा जो हिन्दू राष्ट्रवादियों को प्रिय है, इस कथा के कई अलग-अलग पाठों में से एक है। पौला रिचमेन की पुस्तक 'मेनी रामायन्स' (ऑक्स?ोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस), भगवान राम की कहानी के अलग-अलग संस्करणों के बारे में बताती है। इसी तर्ज पर ए.के. रामानुजन ने एक लेख लिखा था जिसका शीर्षक था ÷थ्री हंड्रेड रामायंस– फाइव एग्जामपिल्स एंड थ्री थॉट्स ऑन ट्रांसलेशन÷। यह अत्यंत अर्थपूर्ण लेख दिल्ली विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम का हिस्सा था। मगर बाद में एबीवीपी के विरोध के कारण इसे हटा दिया गया। हिन्दू राष्ट्रवादी रामकथा के एक विशिष्ट संस्करण को बढ़ावा देना चाहते हैं। रामानुजन बताते हैं कि इस कथा के कई स्वरुप है - जैन और बौद्ध स्वरुप हैं, और महिलाओं का संस्करण भी है, जिसकी लेखिका आंध्रप्रदेश की रंगनायकम्मा है। आदिवासियों की अपनी रामकथा है। अम्बेडकर ने अपनी पुस्तक हिन्दू धर्म की पहेलियाँ में हमारा ध्यान इस तथ्य की ओर आकर्षित किया है कि राम ने शम्बूक की केवल इसलिए हत्या कर दी थी क्योंकि वह शूद्र होते हुए भी तपस्या कर रहा था। इसी तरह, राम ने छुपकर और पीछे से वार कर बाली को मार दिया था। बाली कुछ पिछ?ी जातियों ही श्रद्धा के पात्र हैं। कहा जाता है ÷इडा पीडा जावो, बळीचे राज्य येवो÷ (हमारे दुःख और तकलीफें ?त्म हों और बाली का राज फिर से कायम हो)। अम्बेडकर राम की इसलिए भी क? शब्दों में निंदा करते हैं क्योंकि राम ने मात्र इसलिए सीता को जंगल में छो? दिया था क्योंकि उन्हें अपनी पत्नी के चरित्र पर संदेह था। पेरियार भी द्रवि?ों पर आर्य संस्कृति लादने के लिए राम की आलोचना करते हैं। ठीक-ठीक क्या हुआ था यह सा? नहीं है मगर यह महाकाव्य हमें उस काल के बारे में कई महत्वपूर्णब बातें बताता है।

उसी तरह महर्षि वेदव्यास द्वारा रचित विश्व की सबसे लम्बी कविता 'महाभारत' भी हमें उस युग में झाँकने का मौका देती हैं। ये दोनों ग्रन्थ ज्ञान के स्त्रोत हैं। मगर उन्हें इतिहास के रूप में पाठ्यक्रम में शामिल करना एक अलग मसला है, जिसका सम्बन्ध हिन्दू राष्ट्रवाद से ज्यादा और विद्यार्थियों को इतिहास के सच से परिचित करवाना कम है। यह भी कहा गया है कि पाठ्यपुस्तकों में इंडिया की जगह भारत शब्द का इस्तेमाल किया जाए। ऐसा बताया जा रहा है कि चूँकि हमारे देश को इंडिया नाम अंग्रेजों ने दिया था अतः वह गुलामी का प्रतीक है। इस तथ्य को जानबूझकर छुपाया जा रहा है कि हमारे देश के लिए इंडिया से मिलते-जुलते शब्दों का प्रयोग अंग्रेजों के भारत आने से बहुत पहले से हो रहा है। ईसा पूर्व 303 में मेगस्थनीज ने इस देश को इंडिका बताया था। सिन्धु नदी के नाम से जु? हुए शब्द भी लम्बे समय से इस्तेमाल हो रहे हैं। हमारे संविधान में प्रयुक्त वाक्यांश ÷भारत देट इ? इंडिया÷ का कोई जवाब नहीं है। मगर हिन्दू राष्ट्रवादी एजेंडा के चलते 'इंडिया' शब्द उन्हें असहज करता है।

वे भारत के इतिहास को नए सिरे से कालखंडों में विभाजित करना चाहते हैं। इतिहास के सबसे पुराने कालखंड, जिसे अंग्रे? हिन्दूकाल कहते हैं, को वे 'क्लासिक' (श्रेष्ठ या उत्कृष्ट) काल कहना चाहते हैं। उद्देश्य है इस कालखंड में प्रचलित मूल्यों को हमारे समाज के लिए आदर्श निरुपित करना। ये मूल्य, जो 'मनुस्मृति' में वर्णित हैं, वही हैं जिनके विरुद्ध अम्बेडकर ने विद्रोह का झंडा उठाया था और 'मनुस्मृति' का दहन किया था। आज यूजीसी और एनसीईआरटी का मार्गदर्शक केवल और केवल हिन्दू राष्ट्रवादी एजेंडा है। भारतीय संविधान के मूल्यों से उन्हें कोई लेनादेना नहीं है।

**(अंग्रेजी से रूपांतरण अमरीश हरदेनिया; लेखक साभार: 2007 के नेशनल कम्यूनल हार्मोनी एवार्ड से सम्मानित हैं) यह उनके विचार हैं।**

### सीईओ रावत ने ली यात्रा तैयारियों की बैठक और दिये निर्देश

# केंद्र सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ सभी पात्र हितग्राहियों को मिले: सीईओ

**नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो**

केन्द्रीय योजनाओं के सभी पात्र हितग्राहियों को लाभ दिलाने और नवाचारी योजनाओं से देश में हुए विकास से आम लोगों को परिचित कराने के लिये प्रदेश के साथ ही नर्मदापुरम में भी विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम चलाया जा रहा है। यह यात्रा शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में से गुजरेगी और केन्द्रीय योजनाओं से वंचित हितग्राहियों को लाभान्वित करवायेगी। जिले के समस्त विभागों की यात्रा में अहम भूमिका रहेगी। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत एसएस रावत ने विकसित भारत संकल्प यात्रा के संबंध में आज कलेक्टोरेट कार्यालय में सभी विभागों के अधिकारियों की बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये और वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी एसडीएम , जनपद सीईओ और सीएमओ से चर्चा कर यात्रा की तैयारियों की जानकारी ली। बैठक में अपर कलेक्टर देवेंद्र कुमार सिंह सहित सभी विभागों के जिलाधिकारी उपस्थित रहें। उन्होंने सभी अधिकारियों को दिशा निर्देशों के अनुरूप कार्यक्रम का व्यवस्थित संचालन किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जन-कल्याण की प्रमुख योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुँचाने के लिये भारत सरकार द्वारा 26 जनवरी 2024 तक ÷विकसित भारत संकल्प यात्रा'' आयोजित की जा जाएगी।

उन्होंने कहा कि स्थानीय जनप्रतिनिधियों से चर्चा कर कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करें। उन्होंने कार्यक्रम का व्यापक प्रचार प्रसार करने के निर्देश दिए ताकि केंद्र सरकार द्वारा संचालित योजनाओ के लाभ से कोई भी पात्र वंचित न रहें। उन्होंने कहा कि केन्द्रीय योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र हितग्राहियों को मिले। ग्राम स्वराज अभियान, विस्तारित ग्राम स्वराज अभियान, प्रमुख योजनाओं का शत प्रतिशत कवरेज सुनिश्चति करने संकल्प यात्रा निकाली जा रही है।

उन्होंने बताया कि यात्रा के लिये 7 प्रचार वाहन जिले में आयेंगे, जिसमें बड़े वाहन नगरीय क्षेत्र के लिये तथा छोटे वाहन ग्रामीण

## विकसित भारत संकल्प यात्रा

क्षेत्र में भ्रमण कर भारत सरकार की योजनाओं का प्रचार-प्रसार करेंगे। यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वीडियो संदेश के प्रसारण के साथ-साथ सरकार की योजनाओं की सफलता की कहानी भी वीडियो फिल्म के माध्यम से प्रसारित की जाएगी। इस यात्रा के माध्यम से शासन की प्रमुख योजनाओं के बारे में नागरिकों को बताया जाएगा। साथ ही योजनाओं संबंधी आवेदन प्राप्त कर लाभार्थियों का नामांकन एवं चयन होगा।

### कार्यक्रम स्थल पर स्वास्थ्य परीक्षण शिविर लगेंगे, हितग्राहियों के आवेदन भी जमा होंगे

जिला पंचायत के सीईओ श्री रावत ने बताया कि विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान आयोजित होने वाले कार्यक्रम स्थलों पर स्वास्थ्य शिविर लगाये जाएंगे। इनमें सामान्य स्वास्थ्य जाँच की सुविधा उपलब्ध रहेगी। यात्रा के दौरान आयोजित शिविर स्थलों पर प्रधानमंत्री उज्जवला योजना के हितग्राहियों के आवेदन भी प्राप्त किये जाएंगे साथ ही ऐसे किसान, पशु पालक, मछुआरे, जिनके पास क्रेडिट कार्ड नहीं हैं, उनके आवेदन लेने और संबंधित बैंकों से समन्वय कर क्रेडिट कार्ड उपलब्ध कराने की कार्यवाही भी की जाएगी। कैम्प में आधार कार्ड के अपडेशन का कार्य और विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को लाभ भी वितरित किया जाएगा।

## विकसित भारत संकल्प यात्रा का प्रमुख उददेश्य

सीईओ श्री रावत ने बताया कि यात्रा का प्रमुख उद्देश्य क्षेत्र प्रचार की गतिविधियों आम नागरिकों में योजनाओ के प्रति जागरूकता लाना है। सभी पात्र हितग्राहियों तक योजनाओं की पहुंच बनाना जो किन्हीं कारणों से इन योजनाओं का लाभ लेने से वंचित रह गये हैं। केन्द्र की योजनाओं के संबंध में जानकारी का प्रसार करना एवं नागरिकों और लाभार्थीयों से योजनाओं के संबंध उनके अनुभव जानना हैं। विकसित भारत संकल्प यात्रा की गतिविधिया जिले के जिन्ह जहाँ जनजातीय गौरव दिवस मनाया गया। ग्राम पंचायतों स्तर पर भी जन-जागरूकता की गतिविधियाँ संचालित की जायेगी जिसमें जागरूकता, सामुदायिक, सांस्कृतिक गतिविधियाँ शामिल हैं। इसके अलावा सूचना-शिक्षा-संचार वेन, आईटी प्लेटफार्म, और मोबाइल एप्लीकेशन भी उपयोग में लाये जायेंगे। जिला, ग्राम पांचायत और स्थानीय शासन की समिति और केन्द्र सरकार के संगठन और संस्थाओं से प्लानिंग, समन्वय और निगरानी की जायेगी।

ग्रामीण इलाकों के लिये प्रमुख योजनाओं में आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना,दीनदयाल अत्योदय योजना, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान,किसान क्रेडिट कार्ड, प्रधानमंत्री पोषण अभियान, हर घर जल, जल जीवन मिशन, प्रधानमंत्री स्वामत्वि, जन धन योजना, जीवन ज्योति बीमा योजना, अटल पेंशन योजना, प्रधानमंत्री प्रणाम, नैनो फर्टीलाइजर शामिल हैं। साथ ही जनजातीय परिवारों के कल्याण से संबंधित योजनाओं में सिकल सेल एनीमिया निवारण मिशन, एकलव्य मॉडल आवासीय विदयालयों में प्रवेश, स्कॉलरशिप, वन अधिकार, वन-धन विकास केन्द्र शामिल हैं।

शहरी क्षेत्रों में यात्रा के दौरान शहरी योजनाओं में प्रधानमंत्री स्वनिधि, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा लोन, स्टार्ट-अप इंडिया, स्टैंड-अप इंडिया, आयुष्मान भारत योजना, प्रधानमंत्री बिनआवास योजना, स्वच्छ भारत अभियान, प्रधानमंत्री ई-बस सेवा, अटल मिशन फॉर रिजूवनेशन एंड अर्बन ट्रांसपोर्टेशन-अमृत योजना, प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना, सौभाग्य योजना, डिजिटल पेमेंट इंफ्रास्ट्रक्चर, खेलो इंडिया, उड़ान, वंदे भारत ट्रेन, अमृत भारत स्टेशन योजना शामिल हैं। इन योजनाओं में पात्र हितग्राहियों को चिंहित कर लाभान्वित किया जायेगा। जिले के शहरी क्षेत्रों में मोबाइल वेन से प्रचार प्रसार किया जायेगा। मोबाइल वेन में एलईडी स्क्रीन, ऑडियो विजुअल सामग्री ब्रोशर, बुकलेट से सज्जति होगी। राज्य सरकार द्वारा निर्धारित नोडल अधिकारी और वरिष्ठ अधिकारियों की समिति बनाई गई है, जिसमें केन्द्रीय संगठन और संस्थानों के दो प्रतिनिधि रहेंगे। यह समिति सभी संबंधित विभागों से समन्वय स्थापित करेगी।

सीईओ रावत ने बताया कि जिला स्तर पर कलेक्टर महोदय की अध्यक्षता में वरिष्ठ अधिकारियों की एक समिति तथा ब्लॉक स्तर पर एसडीएम की अध्यक्षता में समिति गठित की जाएगी। जिला स्तर पर भारत सरकार के संगठनों/संस्थानों से दो प्रतिनिधियों को शामिल रहेंगे। आईटी पोर्टल पर डेटा को अंतिम रूप दिया जायेगा। वन का आवंटन, रूट योजना, वेन का कार्यक्रम स्थल, जागरूकता के लिए जिले में प्रचार योजना तैयार करना, वेन का नोडल अधिकारी बनाना ग्राम पंचायत स्तर पर नोडल अधिकारी, ब्लॉक स्तर के अधिकारी, विभाग-वार कर्मचारी और शहरी निकायों में अभियान के समन्वय के लिए समितियों का गठन किया जायेगा।

# मुख्यमंत्री उद्यम क्रान्ति के तहत 50 लाख तक की परियोजनाएं

**सीहोर, दोपहर मेट्रो**

मुख्यमंत्री उद्यम क्रान्ति योजनान्तर्गत केवल नवीन उद्यमों की स्थापना के लिए देय होगा, इस योजना में केवल अनुसूचित जाति वर्ग के आवेदको को निर्धारित अर्हता एवं वित्तीय सहायता का प्रावधान होगें। योजना का संचाजन जिला अंत्यावसायी सहकारी विकास समिति द्वारा संचालित किया जा रहा हे। योजना के तहत परियोजना सीमा उद्योग (विनिर्माण ) इकाई के लिए 01 लाख से 50 लाख रूपये तक की परियोजाएं हें। सेवा (सर्विस) इकाई एवं खुदरा व्यवसाय (रिटेल ट्रेड) के लिए 01 लाख से 25.00 लाख तक की परियोजाए हैं।

### योजना में पात्रता

आवेदक अनुसूचित जाति वर्ग का सदस्य हे, तथा जिले का मूल निवासी हो एवं आयु 18 से 45 वर्ष तक, शैक्षणिक योग्यता न्यूनतम 8वी कक्षा उत्तीर्ण, आवेदक की वार्षिक आय 12.00 लाख रूपये से अधिक न हे, आवेदक स्वंय किसी बैंक अथवा किसी वित्तीय संस्था से डिफाल्टर न हो, आवेदक वर्तमान में राज्य अथवा केन्द्र शासन की किसी अन्य स्वरोजगार योजना का हितग्राही न हो, वित्तीय सहायता अन्तर्गत ब्याज अनुदान अनुसूचित जाति वर्ग के हितग्राहियों को बैंक द्वारा वितरित, शेष ऋण पर 3 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से ब्याज अनुदान अधिकतम 7 वर्षों तक नियमित रूप से ऋण भुगतान की शर्त पर दिया जावेगा।

# शावि. के विद्यार्थियों के लिये चिकित्सा शिक्षा प्रवेश में 5 प्रतिशत सीट आरक्षित

**सीहोर, दोपहर मेट्रो**

राज्य सरकार ने मध्यप्रदेश चिकित्सा शिक्षा प्रवेश नियम-2018 में संशोधन किया है। संशोधन अनुसार अब शासकीय विद्यालय के विद्यार्थी को सभी शासकीय एवं निजी महाविद्यालय में एमबीबीएस एवं बीडीएस के लिये स्वीकृत कुल सीट्स में से 5 प्रतिशत सीट्स आरक्षित की गई हैं। महिला अभ्यर्थी को सभी महाविद्यालयों में सभी पाठ्यक्रम में 30 प्रतिशत आरक्षण, दिव्यांग अभ्यर्थी को सभी महाविद्यालयों में सभी पाठ्यक्रम में 5 प्रतिशत तथा स्वतंत्रता संग्राम सेनानी अभ्यर्थी और सैनिक अभ्यर्थी को केवल शासकीय महाविद्यालय में एमबीबीएस एवं बीडीएस के लिये कुल सीट्स का 3-3 प्रतिशत निर्धारित किया गया है।

महिला, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, सैनिक, दिव्यांग, अनिवासी भारतीय प्रवर्ग एवं शासकीय विद्यालय के विद्यार्थी शामिल हैं। इसी प्रकार जोड़े गये उप-नियम अनुसार शासकीय विद्यालय से अभिप्रेत है कि मध्यप्रदेश शासन द्वारा संचालित शासकीय विद्यालय के विद्यार्थियों में ऐसे विद्यार्थी, जिन्होंने शासकीय विद्यालय में कक्षा-6 से 12वीं तक नियमित अध्ययन कर परीक्षा उत्तीर्ण की हो अथवा शिक्षा का अधिकार अधिनियम के माध्यम से प्रवेश के आधार पर कक्षा-1 से 8 तक निजी विद्यालयों में अध्ययन करने के बाद शासकीय विद्यालय में कक्षा-9 से 12वीं तक नियमित अध्ययन कर परीक्षा उत्तीर्ण हो, को शामिल किया गया है। संशोधन नियमानुसार स्नातक पाठ्यक्रम (एमबीबीएस/ बीडीएस) के लिये शासकीय विद्यालय विद्यार्थी प्रवर्ग से प्रवेश के लिये अभ्यर्थी को संबंधित विभाग के जिला शिक्षाधिकारी/जिला संयोजक/ सहायक आयुक्त द्वारा जारी किये गये।

### लेक्टर ने की जिला सशस्त्र सेना झण्डा निधि में अंशदान देकर सहयोग करने की अपील

# सशस्त्र सेना झण्डा दिवस के तहत कलेक्टर दुबे सहित अधिकारियों को लगाए ध्वज

**रायसेन, दोपहर मेट्रो**

सशस्त्र सेना झण्डा दिवस के तहत कलेक्टर श्री अरविंद दुबे सहित जिला अधिकारियों को जिला सैनिक कल्याण बोर्ड के अधिकारियों द्वारा सशस्त्र सेना के बैच लगाए गए। कलेक्टर श्री दुबे तथा अधिकारियों द्वारा सशस्त्र सेना झण्डा निधि के लिए सहयोग राशि दी गई। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ श्रीमती अंजू पवन भदौरिया, अपर कलेक्टर श्री अभिषेक दुबे सहित जिला अधिकारी, जिला सैनिक कल्याण बोर्ड के सूबेदार श्री भानुप्रताप सिंह सिसौदिया, हबलदार श्री मुन्नालाल गौर उपस्थित थे।

कलेक्टर श्री दुबे ने सभी जिला अधिकारियों, कार्यालय प्रमुखों को सशस्त्र सेना झण्डा निधि में सहयोग राशि जमा कराने के निर्देश दिए हैं। साथ ही नागरिकों से भी जिला सशस्त्र सेना झण्डा निधि में अंशदान देकर सहयोग करने की अपील करते हुए कहा कि सशस्त्र सेना झण्डा दिवस, प्रति वर्ष हमें ऐसा स्वर्णिम अवसर प्रदान करता है जब हम भूतपूर्व सैनिकों एवं उनके परिवारों के कल्याण के लिए उदारतापूर्वक आर्थिक सहयोग देकर सेना की त्याग और सेवा की उत्कृष्ट परम्परा के सहयोगी बनने के लिए गौरव का अनुभव कर सकते हैं।

कलेक्टर श्री दुबे ने कहा कि झण्डा दिवस निधि में दान की गई राशि आयकर अधिनियम-1961 की धारा-297 (2)(क) के अन्तर्गत आयकर से मुक्त है। यह राशि चैक या बैंक ड्राफ्ट के जरिये ''जिला सशस्त्र सेना झण्डा दिवस निधि भोपाल'' के नाम से बनवाकर अथवा कलेक्टर कार्यालय रायसेन में स्थापित सीसीबी की बैंक ब्रांच में संधारित खाता क्रमांक 165003040798 में राशि जमा कराई जा सकती है। उल्लेखनीय है कि सशस्त्र सेना झण्डा दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य भारतीय शस्त्र सेनाओं के जो जवान देश की रक्षा करते हुए शहीद हो गए हैं उनका पुण्य स्मरण करना तथा सैनिकों के कल्याण के लिए चलाई जा रही योजनाओं के लिए धनराशि एकत्र करना हैं।

इस धनराशि का उपयोग शहीद सैनिकों के आश्रित परिजनों, विकलांग सैनिक, भूतपूर्व सैनिक को उपचार, छात्रवृत्ति, स्वरोजगार, सिलाई, कड़ाई एवं अन्य तरह से आर्थिक सहायता के लिए किया जाता है। भारतीय सैनिक युद्ध तथा शांति के समय एक सजग प्रहरी की तरह सेवाएं देते हैं। वे देश को जल, थल तथा वायु में बहुत की कठिन परिस्थितियों तथा मुश्किल क्षणों में हर समय देश की सीमा की रक्षा करते हैं एवं भारत की अर्थव्यवस्था तथा भव्यता की रक्षा करने के लिए तत्पर रहते हैं। अपनी अमूल्य सेवाओं के द्वारा बाढ़, भूकंप, तूफान तथा प्राकृतिक विपदाओं के समय देश की सहायता करते हैं।

# लोकसभा निर्वाचन की तैयारियां प्रारंभ: मतदाता सूची पुनरीक्षण के लिए बीएलओ सुपरवाइजर की हुई बैठक

**सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो**

भारत निर्वाचन आयोग एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नर्मदा पुरम के द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुसार आगामी लोकसभा निर्वाचन 2023 के संबंध में तैयारियां प्रारंभ कर दी गई है। मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत जनपद पंचायत सभागृह सिवनी मालवा में तहसीलदार राकेश खजूरिया की अध्यक्षता में बीएलओ एवं सुपरवाइजर की बैठक संपन्न हुई जिसमें मास्टर ट्रेनर्स सुरेंद्र कुमार पाटिल एवं प्रकाश व्यास द्वारा मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत विस्तार से बताया गया।

जिन मतदाताओं की आयु 1 जनवरी 2024 को 18 वर्ष पूर्ण हो चुकी है उनके नाम मतदाता सूची में जोड़ना है 6 जनवरी 2024 को मतदाता सूची का प्रारंभिक प्रकाशन 318 मतदान केंद्रों पर किया जाएगा 6 जनवरी से 22 जनवरी 2024 तक दावे आपत्ति लेना है इसके तहत मतदाता सूची में नाम जोड़ना, मतदाता सूची से नाम काटना तथा संशोधन करना आदि प्रमुख है। 22 फरवरी 2024 को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन किया जाएगा तहसीलदार राकेश खजूरिया द्वारा बताया गया कि मतदान केंद्र में किसी भी प्रकार का संशोधन हो तो प्रस्ताव बीएलओ सुपरवाइजर के माध्यम से प्रस्तुत होंगे तथा जिन मतदान केंद्र पर 1500 से अधिक मतदाता है नवीन मतदान केंद्र बनाया जाएगा इसके प्रस्ताव आयोग को समय सीमा में भेजे जाएंगे जो मतदान केंद्र क्षतिग्रस्त है उन्हें अन्य शासकीय भवन में शिफ्ट करना है तो विधिवत्त प्रस्ताव बनाकर आयोग के समक्ष प्रस्तुत किए जाएंगे, यदि किसी मतदाता का मतदाता सूची पर नाम काटना है तो सबसे पहले नोटिस जारी किया जाए फार्म न.-7 पर भी स्पष्ट रूप से लिखा जाए की मतदाता का नाम काटना उचित है या अनुचित है मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यक्रम में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी बैठक दो शिफ्ट में आयोजित की गई जिसमें समस्त बीएलओ एवं सुपरवाइजर उपस्थित थे।

**मेट्रो एंकर** | अपनी भाषा में हस्ताक्षर अभियान चलाया गया

# आपसी सद्भाव, सांस्कृतिक आदान-प्रदान के लिए प्रादेशिक भाषा व बोलियां सीखने की आवश्यकता

**नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो**

शासकीय नर्मदा महाविद्यालय में सोमवार को हिंदी विभाग के तत्वावधान में भारतीय भाषा दिवस मनाया गया। इसी श्रृंखला में कालेज में अपनी भाषा में हस्ताक्षर अभियान भी चलाया गया।इसका उद्देश्य भाषा सद्भाव और अन्य भाषा सीखने के लिए एक सहायक माहौल बनाने के लिए विद्यार्थियों को प्रेरित करना रहा।प्राचार्य डॉ ओ एन चौबे ने स्वागत उद्बोधन में कहा कि हमारे देश में अनेक भाषाएं बोली जाती हैं किंतु हम हिंदी अंग्रेजी पर ही ध्यान देते रहे हैं।

## भारतीय भाषा दिवस पर विविध भाषाओं पर केंद्रित कार्यक्रम संपन्न

अब आवश्यकता है देश में बोली जाने वाली प्रादेशिक भाषाओं और बोलियां को सीखने और बढ़ावा देने की जिससे हमारे बीच आपसी सद्भाव और सांस्कृतिक आदान-प्रदान हो सके। कार्यक्रम के संयोजक डॉ के जी मिश्र ने बहु भाषावाद को मजबूत करने के लिए लोगों को अधिक भाषाएं सीखने के लिए प्रोत्साहित करने और विविधता में एकता का अनुभव करने के लिए भारतीय भाषा दिवस और भाषाई उत्सव मनाने की आवश्यकता बताई ।

डॉ हंसा व्यास ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए मालवी गुजराती भाषा में अपने संबोधन से कार्यक्रम प्रारंभ किया। कार्यक्रम में भाषाई प्रतिनिधियों ने अपनी प्रस्तुति दी। इस श्रृंखला में आशुतोष पारे ने संस्कृत में स्वस्तिवाचन, डॉ शोभा बिसेन, देवांश बैरागी ने हिंदी, डॉ कल्पना विश्वास ने बंगला, डॉ रवि उपाध्याय ने तेलुगू और ब्रजभाषा ,डॉ एस सी हर्ने मराठी, डॉ अमिता जोशी, डॉ मालती पटेल बुंदेली, डॉ यासमीन खान ,शाहिद खान ने उर्दू भाषाओं में अपने संदेश दिए। प्रियांबिका जाट ने मारवाड़ी, पूजा मीना और सरिता कुमरे ने राजस्थानी भाषा में नृत्य प्रस्तुत किए। डॉ अंजना यादव ने प्रतिवेदन और डॉ व्यास ने आभार व्यक्त किया।

# नपा की प्याऊ में दबंग चाय दुकानदार ने कर रखा था कब्जा, टीम ने किया सील, मगर बाद में कार्यवाही नाकाम !

**सिरोंज, दोपहर मेट्रो**

पिछले दिनों नवीन बस स्टैंड पर स्थित सार्वजनिक ब्याऊ पर दबंग दुकानदार के द्वारा कब्जा करके ब आम जनता को पानी पीने से रोकने का काम भी करता था ऐसी शिकायत भी सामने आई थी साथ ही चार पहिया वाहन को धोने का काम भी किया जाता था जिसका अधिकारियों का ध्यान आकर्षित कराया था । इसके बाद नगर पालिका की टीम को एसडीएम हर्षल चौधरी ने जांच करके कार्रवाई करने के निर्देश दिए जैसे ही टीम सोमवार को जांच करने

पहुंची तो वहां पर दुकानदार तो गायब था पर प्याऊ के अंदर जो कक्ष बनाया गया था उसमें चाय वाले का सामान रखा हुआ था उसको देखकर टीम भी दंग रह गई । नगर पालिका की टीम के प्रभारी संजीव यादव ने बताया कि अंदर चाय बनाने का सामान कुर्सियां बिस्तर भी रखा हुआ था इसके बाद हमने कक्षा को सील कर दिया है। साथ ही दुकानदार की पहचान करके उस पर कार्रवाई करने की बात भी कही। वही देखना है कि इस तरह से सार्वजनिक प्याऊ पर कब्जा करने वाले दबंग दुकानदार पर नगर पालिका प्रशासन कार्रवाई कर पता है या नहीं।

**टीम द्वारा घायल व बीमार गायों का किया जाता है उपचार, उपचार के बाद गायों को किया जाता है एडमिट**

# संत सुधा सागर गौशाला की युवा टीम सर्दी के मौसम में गायों को खिला रही औषधि पूर्ण लड्डू

**सिरोंज, दोपहर मेट्रो**

दयो दया गौ संवर्धन केन्द्र एंव जैन समाज के सहयोग से 2017 से संत सुधा सागर जी गौषाला का संचालन सुचारू रूप से किया जा रहा है। वही इस गौषाला में लगभग 40 युवाओं की टीम है जो कि प्रत्येक सर्दी के मौसम में प्रत्येक रविवार को शहर में घूमकर गायों को 5 क्वंटल औषधी पूर्ण लड्डू खिलाती है। साथ ही घायल गायों का उपचार करती है।

**गौशाला का निर्माण करने आगे आए युवा** - जैन समाज के युवा वर्ग ने आचार्य श्री 108 विद्या सागर जी महाराज की प्रभावना व मुनि श्री 108 सुधा सागर जी महाराज के निर्देषन एंव प्रणा से जैन समाज की युवा टोली ने संत सुधा सागर महाराज जी के नाम से एक गौषाला प्रांरभ की। उक्त गौषाला अतिषय क्षेत्र नसिया जी परिसर में स्थिति है जिसमें वर्तमान में लगभग 200 से भी अधिक गाय गौषाला में रहती है। जिनकी देखरेख गौषाला टीम के युवा साथी सुबह व शाम गौषाला पहुचकर गायों की देखभाल करते है। यदि गायो में किसी भी प्रकार की बीमारी या गायों को किसी प्रकार की परेषानी होती है तो उनका तत्काल उपचार कर उन्हें ठीक करते है।

**सर्दी के मौसम में गायों के लिए तैयार किए जाते है 5 क्वंटल औषधि पूर्ण लड्डू** - गौशाला की युवा टीम के अलावा जैन समाज के युवक-युवतियों द्वारा निस्वार्थ रूप से सर्दियों में औषधि पूर्ण लडडू तैयार किए जाते है जो गायो को खिलाए जाते है। जो कि युवाओं की टीम अपने हाथों से तैयार करती है। प्रत्येक वर्ष इन लडडू की मात्रा बढती जाती है। प्रत्येक रविवार को युवाओं की टीम शहर में औषधि पूर्ण लडडू को लेकर निकलती है और जहां भी गाय मिलती है तो उन गायों को लडडू खिलाए जाते है। लडडू खिलाने से पूर्व गाय की देखरेख भी की जाती है। यदि कही उपचार की अवषयकता होती है तो उन्हें उपचार भी दिया जाता है और सर्दियों में यह भी प्रयास किया जाता है कि उन गायों को सर्दी से बचाने के लिए गर्म वस्त्रों को उपयोग किया जाता है। गौषाला टीम द्वारा बनाए जाने वाले इन लड्डूओं में 5 क्वंटल देषी गुड सरसों को तेल अजवान,सौठ,हल्दी सहित अन्य औषधियों का उपयोग कर लड्डू तैयार किए जाते है।

**एक्सीडेंट केस में तत्काल गायों को किया जाता एडमिट** - गौशाला की युवा टीम के पास जैसे ही जानकारी आती है कि अमुख स्थान पर किसी गाय का एक्सीडेंट हो गया है या गाय घायल अव्यस्था में पडी है। वैसे ही तत्काल युवाओं की टीम वहा पहुचती है। यह टीम यह भी नही देखती है कि चाहे कडकडती सर्दी हो या भीषण गर्मी हो या फिर भारी बारिष हो कैसे भी परिस्थितिओं में गाय का उपचार कर उसे तत्काल गौशाला में एडमिट किया जाता है।

### सारी युवा टीम धनदाय परिवार से

संत सुधा सागर गौशाला में जो युवाओं की टीम कार्य कर रही है। वह टीम निस्वार्थ रूप से गायो की सेवा के लिए 24 घण्टें उपलब्ध रहती है। कैसी भी परिस्थितिया हो सारे काम छोड़कर यह टीम गायों की सेवा के लिए पहुच जाती है। इस टीम में सारे युवा वर्ग षिक्षित है साथ ही सभी धनढाय व शिक्षित परिवारों से संबध रखते है। अक्सर युवा वरिष्ट व्यवसाय के रूप में कार्य करते है लेकिन इन युवाओं की निस्वार्थ सेवा देखकर जनमानस अचंवित हो जाता है इस गौषाला के अध्यक्ष सवाई सिंघल महेन्द्र जैन,सचिव दिव्यांश जैन, आयुष येतल,नरेन्द्र जैन मेडिकल के साथ 40 युवाओं की टीम गायो की सेवा में तत्पर रहती है।

### मुनि सुधा सागर जी महाराज के आशीर्वाद व मार्गदर्शन में रहती है टीम

सिरोंज जैन समाज के तीर्थ स्थल अतिषय क्षेत्र नसिया जी के उधारक एंव गौषाला के प्रेरणा स्त्रोत मुनि श्री 108 सुधा सागर जी महाराज से गौषाला की टीम समय समय पर मार्गदर्षन व आर्षीवाद लेती रही है। मुनि श्री जहा भी विराजमान होते है वहा टीम पहुचकर गौषाला द्वारा किए जा रहें कार्यो का प्रतिवेदन देती है। साथ ही आगे किए जाने वाले कार्यो के लिए आर्षीवाद प्राप्त करती है।

### सहयोग की अपील

संत सुधा सागर गौषाला टीम के सदस्यों द्वारा सोषल मीडिया पर गायों के लिए लिखा जाता है कि इन वेजुवान गायो को अपने मचे के लिए सजा न दे। साथ ही गौषाला टीम के सदस्य नागरिको से अपील करते है कि प्रत्येक परिवार अपने घर में बनने वाली पहली रोटी गाय को दे। साथ ही अपील करते है कि अपने जन्मदिवस व शादी की वर्षगाठ,पुण्यतिथि पर गायों को गौ ग्रास देकर अपने दिनो को अच्छा बनाए। इंसान तो अपनी देखरेख स्वंय कर लेते है लेकिन मूक प्रणी अपनी वेदना किससे कहे इसी को देखते संत सुधा सागर गौषाला सिरोंज में आमत्रित करते है।

### हजारों गायो का कर चुके उपचार

गौषाला परिवार की टीम हमेषा शहर के आसपास व मुख्य मार्गो पर जो वाहन चालक गायो का एक्सीडेंट कर भाग जाते है उन गायो के लिए टीम मौके पर पहुचकर उपचार कर स्वास्थ्य लाभ देती है। इसी तरह गंभीर बीमारी से पीडित गायो को तत्काल तरह तरह के उपचार देकर उन्हें भी स्वास्थ्य लाभ दिया जाता है। सन 2017 से यदि देखा जाए तो यह गौषाला की टीम ने अभी तक हजारों की संख्या में गायों का उपचार कर उन्हें स्वास्थ्य लाभ दिया है।

**विधायक की चिंता को धरातल पहुंचने के लिए, एसडीएम ने नगर पालिका को दिए निर्देश**

# 12 नल जल कनेक्शन का उपयोग कमर्शियल मिलने पर काटने की हुई कार्रवाई

**सिरोंज, दोपहर मेट्रो।**

बरसात कम होने के कारण केथन डेम पूरी तरह से खाली पड़ा हुआ है । जिसको देखते हुए आने वाले दिनों में पानी की समस्या उत्पन्न ना हो उसके लिए अवैध रूप से पानी का उपयोग करने वालों पर नगर पालिका ने कार्रवाई करते हुए के कनेक्शन को

काटा भनक लगते ही गलत तरीके से पानी उपयोग करने वालों की चिंताएं भी बढ़ गई। गर्मी के दिनों में पानी की समस्या को दूर करने के विधायक उमाकांत शर्मा चिंतित जताते हुए उचित इंतजाम करने के निर्देश एसडीएम को दिए थे और उन्होंने कहा था कि किसी भी हालत में नगर वासियों को पानी की समस्या का सामना न करना पड़े उसके लिए जो भी जरूरी कदम उठाना हो गया उठाइए फंड की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी ।

एसडीएम हर्षल चौधरी ने पानी बचाने के लिए प्राथमिकता पर कौन-कौन से कदम उठाए जा सकते हैं। इसी क्रम में एसडीएम निर्देश पर नगर पालिका प्रशासन के द्वारा धरातल पर काम करना प्रारंभ कर दिया है। सोमवार को एक दर्जन के आसपास नाल को काटने का काम किया है क्योंकि यह नल अवैध रूप से कमर्शियल क्षेत्र में उपयोग किया जा रहे थे इनमें से कुछ कनेक्शन ऐसे भी पाए गए जिम घरों के नाम पर कनेक्शन लेकर धुलाई सेंटर संचालित किया जा रहे थे जहां पर दिन भर बड़ी मात्रा में वहां आते हैं उनकी धुलाई भी इन कनेक्शन के पानी से किया जा रहा था इसकी वजह से पानी की बर्बादी हो रही है उसको रोकने के लिए विधायक श्री शर्मा ने एसडीएम को निर्देश देकर इस समस्या को समय से पहले दूर करने और क्या-क्या उपाय पानी को बचाने के लिए उठाया जा सकते हैं उनको उठाने के लिए दिशा निर्देश जारी किए थे इसके बाद एसडीएम ने नगर पालिका की टीम को पानी बचाने के लिए सभी जतन करने के निर्देश दिए हैं। इसी क्रम में सूचना प्राप्त हो रही थी कि अधिकांश धुलाई सेंटरों में नगर पालिका के नल कनेक्शन का उपयोग हो रहा है इन कनेक्शन को चोरी छुपे भी लगाया गया है साथ ही घरों के नाम पर कनेक्शन लेकर धुलाई सेंटर मैं वाहन धोने के लिए इनका उपयोग हो रहा है।

जब इनकी जांच पड़ताल हुई तो पाया गया कि ऐसा ही अधिकांश धुलाई सेंटरों के संचालकों के द्वारा किया जा रहा था सोमवार को जैसे ही टीम जांच करने पहुंची तो इनकी पोल खुली इसके बाद इन कनेक्शन को काटने कार्रवाई तत्काल की गई। गलत तरीके से नल कनेक्शन उपयोग करने वाले धुलाई सेंटरों संचालकों पर जुर्माना की कार्यवाही भी प्रस्तावित की गई है । वैसे ही पानी की कमी को देखते हुए दो-दो घंटे हैं सप्लाई नगर पालिका के द्वारा दी जा रही है । इसके बाद इस तरह से पानी का दोहन हो रहा है यदि इसकी बर्बादी नहीं रोकी गई तो गर्मियों के दिनों में पानी के लिए भीषण समस्या भी उत्पन्न हो सकता है। उस निपटने के लिए पहले से ही प्रयास करना अच्छी पहल है आम जनता के हित में विधायक की चिंता भी जाहिर है।।

प्रभारी मुख्य नगर पालिका अधिकारी राम प्रकाश साहू ने बताया कि विधायक और एसडीएम के निर्देश पर पानी बचाने के लिए हमारे द्वारा सभी कदम उठाए जा रहे हैं। पहले चरण में घरों के नाम पर लगे कनेक्शन का उपयोग धुलाई सेंटरों पर होने पर उनको काटने की कार्रवाई के साथ जुर्माना की कार्रवाई की गई है। कुछ कनेक्शन अवैध रूप से भी संचारित हो रहे हैं उन सब की जांच करके उनको काटने का काम किया जा रहा है । अवैध रूप से अधिक कनेक्शन लगे हैं और पाए जाते हैं तो ऐसे लोगों पर भी हम कार्रवाई करेंगे । वहीं नगर पालिका के द्वारा जैसे ही कार्रवाई प्रारंभ की गई तो गलत तरीके से नल कनेक्शन का उपयोग करने वालों की चिंताएं भी बढ़ गई और इनमें हड़कंप की स्थिति भी देखने को मिली।

### इनका कहना है-

*विधायक महोदय के निर्देश पर पानी की समस्या से निपटने के लिए सभी जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। गर्मियों के दिनों में पानी की समस्या उत्पन्न ना हो उसके लिए पहले से इंतजाम हमने प्रारंभ कर दिए इसी क्रम में नगर पालिका के द्वारा की गई है।*

*हर्षल चौधरी, एसडीएम*

# मोहन यादव बने सीएम नगर में भाजपा कार्यकर्ताओं ने की जमकर आतिशबाजी व मिठाई बांटी

**सिरोंज, दोपहर मेट्रो**

जिस तरह की सस्पेंस की चर्चा कर रही चल रही थी उसी तरह का परिणाम में सीएम के नाम पर हुआ है। संघ पृष्ठभूमि से नाता रखने वाले मोहन यादव को मुख्यमंत्री बनाने का जैसे ही ऐलान हुआ तो नगर में आतिशबाजी के साथ मिठाई वितरण का दौर प्रारंभ हो गया पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि रमेश यादव के साथ भाजपा कार्यकर्ताओं ने जमकर आतिशबाजी चल लकार एवं मिठाई का वितरण सीएम बनने की खुशी बने मनाई किसी भी तरह से इनका सामने नहीं आ रहा था पर कहते हैं मोदी और भारतीय जनता पार्टी के द्वारा हमेशा कुछ नया करने का काम किया जाता है। भाजपा नेता रमेश यादव ने बताएं कि भाजपा एक ऐसी पार्टी है जिसमें समर्पित भाव से काम करने वाले छोटे से कार्यकर्ता को भी ऊंचे पद पहुंचने का अवसर मिलता है। उसी का परिणाम है कि मोहन यादव सीएम की कुर्सी का दायित्व मिला है। वहां प्रदेश की उन्नति के साथ जनता जनार्दन के हित में अच्छे कार्य करेंगे जमीन से जुड़े व्यक्ति को जिम्मेदारी मिली है।

# शिक्षा विभाग के अधिकारी उड़ा रहे आरटीआई कानून की धज्जियां

**सिरोंज, दोपहर मेट्रो**

लटेरी शिक्षा विभाग के अधिकारियों की मनमानी एवं लापरवाही के चलते लगभग दो माह होने के बाद भी आरटीआई के तहत मांगी गई जानकारी का जवाब आज दिनांक तक शिक्षा विभाग जानकारी उपलब्ध नहीं करा पाई मांगी गई जानकारी के कागजात विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय लटेरी मैं दावे पड़े हैं हम बात कर रहे हैं विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय लटेरी मैं विनोद कुशवाह द्वारा आरटीआई के माध्यम से कुछ शिक्षा विभाग के मुद्दों को लेकर जानकारी मांगी गई थी विनोद कुशवाह द्वारा बताया गया है कि कार्यालय विकासखंड शिक्षा विभाग लटेरी द्वारा आज दिनांक तक कोई जानकारी नहीं दी गई लेकिन शिक्षा विभाग के अधिकारी सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 की जमकर धज्जियां उड़ाने में लगे लगभग दो माह हो जाने पर भी आवेदक द्वारा मांगी गई सूचनाओं का अभी तक कोई जवाब नहीं दिया गया।

**मांगी गई सूचनाओं का अभी तक कोई जवाब नहीं दिया गया**

**मेट्रो एंकर** चालानी कार्रवाई करते हुए 8900 रूपए राजस्व के रूप में टीम ने एकत्रित किए

# नगर पालिका ने अतिक्रमणकारियों पर की कार्रवाई 39 के बनाए चालान, सामन भी किया जप्त

**सिरोंज, दोपहर मेट्रो**

नगर पालिका परिषद के द्वारा अतिक्रमण धारी पर कार्रवाई प्रारंभ कर दी गई है। जिसका नजर सोमवार को देखने को मिला अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई संजीव यादव के नेतृत्व में नगर पालिका परिषद के कर्मचारियों के द्वारा की गई पहले दिन 39 लोगों पर चालानी कार्रवाई करते हुए 8900 रूपए राजस्व के रूप में टीम के द्वारा एकत्रित किए गए है। जिसकी तारीफ भी हो रही है क्योंकि पहली बार नगर पालिका की टीम ने इतनी बड़ी मात्रा में जुर्माना की राशि एकत्रित की है । दूसरी ओर सूचना के बाद भी अतिक्रमण हटाने वाले दुकानदारों का सामान भी जप्त किया गया है। प्रभारी अधिकारी संजीव यादव ने बताया कि एसडीएम और मुख्य नगर पालिका अधिकारी के निर्देश में अतिक्रमण विरोधी

की कार्रवाई करते हुए 39 चालान काटे जिसमें सड़क पर अवैध रूप से रेत के साथ सामान रखने वाले दुकानदारों को पहले समझाया इसके बाद भी समान नहीं हटाया तो इनका सामान भी जप्त करते हुए चलान की कार्रवाई भी की गई है आगे भी हमारी कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी शहर को अतिक्रमण मुक्त करने का काम किया जाएगा। मुख्य सड़कों पर भी अतिक्रमण होने के कारण जाम की स्थिति में निर्मित होती है। अधिकांश दुकानदारों के द्वारा जितनी दुकाने होती है उस दौगुनी जगह पर अधिकांश दुकानदारों के द्वारा सड़क पर कब्जा करके सामान रख लेते हैं जिसकी वजह से मार्ग सकरे हो जाते है। ऐसे दुकानदारों पर कार्रवाई होनी चाहिए। वही एसडीएम और प्रभारी नगर पालिका अधिकारी के निर्देश नगर पालिका टीम ने अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई प्रारंभ की है।अब देखना है कि यह कार्रवाई कितने दिनों तक चलेगी और निष्पक्ष रूप से कार्रवाई होगी या नहीं।

# क्रिकेट में आईसीसी का स्टॉप क्लॉक रूल लागू

## अब इंटरनेशनल क्रिकेट में एक ओवर खत्म होने के बाद अगला शुरू करने 60 सेकेंड में का ही टाइम

**नईदिल्ली, एजेंसी**

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने दिसंबर 2023 से अप्रैल 2024 के बीच फुल टाइम मेंबर्स टीमों के वनडे और टी-20 मैचों में स्टॉप क्लॉक रूल लागू किया है। इंटरनेशनल क्रिकेट में खेल की गति तेज करने के प्रयास में यह नियम लाया गया है। अब इंटरनेशनल क्रिकेट में एक ओवर खत्म होने के बाद अगला शुरू करने के लिए 60 सेकेंड (एक मिनट) का टाइम ही मिलेगा। ट्रायल की शुरुआत 13 दिसंबर को बारबाडोस में वेस्टइंडीज और इंग्लैंड के बीच पहले टी20 मैच से होगी।

### 13 दिसंबर से शुरू होगी टी-20 सीरीज

वनडे सीरीज में वेस्टइंडीज ने इंग्लैंड को 2-1 से हराया। अब दोनों टीमों के बीच 5 टी-20 की सीरीज 13 दिसंबर से शुरू होगी। सीरीज के मुकाबले 13, 14, 16, 20 व 22 दिसंबर को खेले जाएंगे। इंग्लैंड की कप्तानी जोस बटलर और वेस्टइंडीज की रोवमन पॉवेल करेंगे।

### ओवर के बीच 60 सेकेंड का टाइम, देरी की तो 5 रन की पेनल्टी

अगर बॉलिंग टीम 60 सेकंड के अंदर बॉलर चेंज नहीं कर सकी तो उन्हें 2 वॉर्निंग मिलेगी। तीसरी बार ऐसा करने पर बैटिंग टीम के स्कोर में 5 रन जुड़ जाएंगे। मैच में हर तीसरी बार ऐसा होने पर बॉलिंग टीम पर 5 रन की पेनल्टी लगेगी। इसे उदाहरण से समझते हैं। मान लीजिए भारत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ किसी टी-20 में 6 बार 60 सेकंड के अंदर अगला शुरू नहीं किया। तो इस कंडीशन में टीम इंडिया पर 2 बार पेनल्टी लगेगी और ऑस्ट्रेलिया के स्कोर में 10 रन जुड़ जाएंगे। एक पेनल्टी के 5 रन जुड़ने वाले हैं, ऐसे में 2 पेनल्टी के 10 रन जुड़ेंगे और ऐसा ही हर बार होगा।

### टाइम मॉनिटर अंपायर घड़ी का इस्तेमाल करेंगे

आईसीसी ने बताया कि टाइम मॉनिटर करने के लिए ओवर्स के बीच घड़ी का इस्तेमाल किया जाएगा। अप्रैल के बाद फैसला लिया जाएगा कि इस नियम को परमानेंट किया जाए या नहीं।

### 2022 में लाया गया था स्लो ओवर फील्डिंग रिस्ट्रिक्शन रूल

आईसीसी जनरल मैनेजर वसीम खान ने कहा हम इंटरनेशनल क्रिकेट में गेम फास्ट करने के तरीकों पर लगातार विचार कर रहे हैं। वाइट बॉल इंटरनेशनल क्रिकेट में स्टॉप क्लॉक ट्रायल 2022 के फील्डिंग रिस्ट्रिक्शन रूल लाने के बाद हुआ। टी-20 क्रिकेट में ओवर में देरी होने से 5 की जगह 4 फील्डर को ही 30 यार्ड सर्कल के बाहर फील्ड करने की अनुमति मिलती है।

## भारत और साउथ अफ्रीका के बीच टी-20 सीरीज का दूसरा मुकाबला आज

**पोर्ट एलिजाबेथ, एजेंसी**

भारत और साउथ अफ्रीका के बीच टी-20 सीरीज का दूसरा मुकाबला आज खेला जाएगा। मैच केबेरा के पोर्ट एलिजाबेथ मैदान पर रात 8.30 बजे से शुरू होगा, टॉस 8 किया जाएगा। 10 दिसंबर को पहला टी-20 बारिश की भेंट चढ़ गया था, दूसरे टी-20 पर भी बारिश का साया मंडरा रहा है। आज केबेरा में 70 फीसदी तक बारिश के आसार हैं। आज का मैच जीतने वाली टीम 3 टी-20 की सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर लेगी। इस मैदान पर भारत और साउथ अफ्रीका के बीच पहला मुकाबला खेला जा रहा है। ऐसे में टीम इंडिया की यंग ब्रिगेड जीत हासिल कर बढ़त हासिल करना चाहेगी। दूसरी ओर मेजबान टीम सीरीज में आगे होना चाहेगी।

भारत और साउथ अफ्रीका टीम के बीच अब तक टी-20 फॉर्मेट में कुल 8 सीरीज खेली गई हैं। इसमें चार भारत जीता और 2 में साउथ अफ्रीका को जीत मिली है। 2 सीरीज ड्रॉ भी रहीं। दोनों के बीच कुल 25 मैच हुए, 13 में भारत और 10 में साउथ अफ्रीका को जीत मिली। वहीं पोर्ट एलिजाबेथ पर दोनों टीमें आपस में पहला मुकाबला खेलने जा रही हैं। यहां अब तक 8 टी-20 मुकाबले खेले जा चुके हैं। 4 में पहले बैटिंग करने वाली और 4 में रन चेज करने वाली टीम को जीत मिली। पहली पारी का एवरेज टोटल 130 रन का है, जबकि दूसरी पारी में औसतन 111 रन बने। यहां लो स्कोरिंग मैच की उम्मीद की जा रही है। पिच गेंदबाजों को मदद कर सकती है।

**70 फीसदी बारिश की आशंका:** पोर्ट एलिजाबेथ में मंगलवार को बारिश की आशंका है। यहां 70 फीसदी से ज्यादा बारिश होने का अनुमान है। दिन भर बादल छाए रहेंगे और 1.9 एमएम बारिश हो सकती है। ऐसे में दूसरे मुकाबले में भी फैंस को निराशा हाथ लग सकती है।

### सूर्या भारत के टॉप रन स्कोरर

सूर्यकुमार यादव सीरीज में टीम इंडिया की कप्तानी करेंगे। इस साल टीम की ओर से सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में सूर्या ही टॉप पर हैं। उन्होंने 16 मैच में 577 रन बनाए हैं। दूसरे नंबर पर ऋतुराज गायकवाड हैं। उन्होंने 13 मैच में 370 रन बनाए हैं। गेंदबाजी में अर्शदीप सिंह की परफॉर्मेंस शानदार रही है, उन्होंने इस साल 19 मैच में 25 विकेट लिए हैं।

### हेंड्रिक्स ने सबसे ज्यादा रन बनाए

साउथ अफ्रीका की कमान ऐडन मार्करम संभालते हुए नजर आएंगे। साउथ अफ्रीका के लिए इस साल टॉप रन स्कोरर रीजा हेंड्रिक्स हैं। उन्होंने 6 मैचों में 273 रन बनाए हैं। इनमें तीन अर्धशतक शामिल हैं। दूसरे नंबर पर मार्करम हैं। उन्होंने 6 मैच में 184 रन बनाए हैं। बॉलिंग में 23 साल के मार्को यानसन टॉप परफॉर्मर हैं। दूसरे नंबर पर लिजाड विलियम्स हैं। दोनों के नाम 4-4 विकेट हैं।

### आईपीएल ऑक्शन 2024 की प्लेयर्स लिस्ट जारी

## 333 खिलाड़ी 19 दिसंबर को होने वाले आईपीएल मिनी ऑक्शन में शामिल होंगे

**एंटीगुआ, एजेंसी**

आईपीएल 2024 के ऑक्शन की प्लेयर लिस्ट जारी हो गई है। 333 खिलाड़ियों के नाम शेयर हुए हैं जो कि 19 दिसंबर को होने वाले आईपीएल मिनी ऑक्शन में शामिल होंगे। 10 टीमों के बीच 77 स्लॉट खाली हैं, यानी 333 में से 77 खिलाड़ी नीलाम होंगे, जिनमें से 30 विदेशी रहेंगे। वर्ल्ड कप 2023 में ऑस्ट्रेलिया के टॉप प्लेयर ट्रैविस हेड समेत कुल 23 खिलाड़ियों का बेस प्राइस 2 करोड़ रुपए है। 333 खिलाड़ियों में से 214 भारतीय है। जबकि, 199 विदेशी यानी ओवरसीज प्लेयर्स है। वहीं, 2 प्लेयर एसोसिएट नेशन से हैं। ऑक्शन में 23 प्लेयर्स की बेस प्राइस 2 करोड़ रुपए है, जो कि सबसे ज्यादा है। इनमें ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के 7-7 , भारत और साउथ अफ्रीका के 3-3 प्लेयर्स शामिल है। वहीं, बांग्लादेश, अफगानिस्तान और न्यूजीलैंड के 1-1 खिलाड़ी हैं जिनका बेस प्राइस 2 करोड़ रुपए है। ऑस्ट्रेलिया के पैट कमिंस, ट्रैविस हेड, मिचेल स्टार्क, जोश हेजलवुड, स्टीव स्मिथ, जोश इंग्लिस और सीन एबॉट की बेस प्राइस 2 करोड़ रुपए हैं। भारतीयों में हर्षल पटेल और उमेश यादव की बेस प्राइस सबसे ज्यादा है। इनके अलावा 12 प्लेयर्स की बोली 1.50 करोड़ और 13 प्लेयर्स की बोली 1 करोड़ रुपए से शुरू होगी। बाकी के प्लेयर्स की बेस प्राइस 20 से 75 लाख रुपए के बीच है।

## असद शफीक का क्रिकेट से संन्यास

**कराची, एजेंसी**

पाकिस्तान के टेस्ट बल्लेबाज असद शफीक ने खेल के प्रति अपने जुनून में कमी का अनुभव करने के बाद क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा की है। शफीक ने कहा कि ÷मुझे क्रिकेट खेलने में उतना उत्साह और जुनून महसूस नहीं हो रहा है और न ही मेरे पास अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के लिए आवश्यक फिटनेस स्तर है। यही कारण है कि मैंने सभी क्रिकेट को अलविदा कहने का फैसला किया है, ÷उन्होंने कराची व्हाइट्स को राष्ट्रीय टी20 चैम्पियनशिप खिताब दिलाने के बाद सम्मेलन में कहा। असद ने यह भी पुष्टि की कि वह वेतनभोगी राष्ट्रीय चयनकर्ता बनने के लिए पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के साथ एक अनुबंध पर हस्ताक्षर करने वाले थे। ÷मुझे बोर्ड से अनुबंध मिल गया है और मैं इस पर विचार कर रहा हूं और उम्मीद है कि इस पर जल्द ही कार्रवाई होगी।÷

## 10 दिसंबर से पैरा गेम्स की होगी शुरुआत

### दिल्ली में खेलो इंडिया के तहत मैदान में उतरेंगे 1400 खिलाड़ी

**नईदिल्ली, एजेंसी**

देश की राजधानी दिल्ली में पहली बार 10-17 दिसंबर के बीच शुरू होने जा रहे खेलो इंडिया पैरा गेम्स के लिए खिलाड़ी पूरी तरह से तैयार हैं. देशभर के करीब 1400 खिलाड़ी मजबूत इरादों के साथ मैदान में उतरेंगे. इसमें हरियाणा के भी कई खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। जिसमें देश के 32 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के लगभग 1350 से ज्यादा एथलीट हिस्सा लेंगे. देश में साल 2018 से अब तक 11 खेलो इंडिया गेम्स का आयोजन किया जा चुका है, जिसमें पहली बार पैरा खेलों को शामिल किया गया है. इस आयोजन में हरियाणा के भी लगभग 200 खिलाड़ी शामिल होंगे, जिससे पहले आज सोनीपत के बहालगढ़ स्थित एसएआई सेंटर में पैरा-गेम्स की औपचारिक लॉचिंग की गई. 10 दिसंबर से राजधानी दिल्ली में खेलो इंडिया पैरा-गेम्स का आगाज होगा, जिससे पहले आज सोनीपत के बहालगढ़ स्थित ह्र्र्ढ्ढ सेंटर में पैरा-गेम्स के कई दिग्गजों को आमंत्रित कर पैरा-गेम्स की औपचारिक लॉचिंग की गई. इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय पैरा एथलीट अमित सरोहा, सुमित आंतिल, हरविंदर सिंह समेत कई खिलाड़ी शामिल हुए. साल 2018 से अब तक देश में 5 खेलो इंडिया यूथ गेम्स, 3 खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स और 3 खेलो इंडिया विंटर गेम्स का आयोजन किया जा चुका है. अब राजधानी दिल्ली में खेलो इंडिया पैरा-गेम्स के पहले संस्करण का आयोजन किया जाएगा. खेलो इंडिया पैरा-गेम्स के पहले संस्करण में पैरा एथलेटिक्स, पैरा निशानेबाजी, पैरा तीरंदाजी, पैरा फुटबॉल, पैरा बैडमिंटन, पैरा टेबल टेनिस और पैरा भारोत्तोलन स्पर्धाओं का आयोजन किया जाएगा. दिल्ली में तीन स्टेडियम आईजी स्टेडियम, निशानेबाजी रेंज और जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में खेलो इंडिया पैरा-गेम्स का आयोजन किया जाएगा. पैरा खिलाड़ियों को मंच प्रदान करने के उद्देश्य से शुरू की गई इस पहल से देश के पैरा खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान हासिल करने का मौका मिलेगा. कार्यक्रम में पैरा खिलाड़ी अमित सरोहा ने कहा कि यह सरकार का एक बेहतरीन कदम है. पैरा खेलो गेम्स की शुरुआत से खिलाड़ियों को काफी फायदा मिलेगा।

### मेट्रो बाजार

## जनवरी से टाटा की ऑडी कारें भी मिलेंगी महंगी

**मुंबई, एजेंसी**

टाटा मोटर्स ने अपने सभी कॉमर्शियल व्हीकल्स के दाम 3 फीसदी तक बढ़ाने का ऐलान किया है। बढ़े हुए दाम एक जनवरी 2024 से प्रभावी होंगे। कंपनी ने एक्सचेंज फाइलिंग में इसकी जानकारी दी है। टाटा मोटर्स ने बताया कि कंपनी इनपुट लागत में बढ़ोतरी के चलते यह फैसला ले रही है। कंपनी ने पैसेंजर व्हीकल्स के भी दाम बढ़ाने की घोषणा की है। लेकिन कीमतें कितनी बढ़ाई जाएंगी, इसकी जानकारी अभी नहीं दी है। संभव है, जल्द ही इसका भी ऐलान होगा। इसके अलावा, देश की लगभग सभी ऑटोमोबाइल कंपनियां नए साल से कीमतें बढ़ाने का ऐलान कर चुकी हैं। टाटा मोटर्स के पोर्टफोलियो में हैचबैक कार टियागो से लेकर स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल सफारी तक शामिल है। इनकी कीमत 5.6 लाख रुपए से लेकर 25.94 लाख के बीच है। मैन्युफैक्चरिंग कॉस्ट में बढ़ोतरी होने के कारण कंपनियां कारों के दाम बढ़ा रही हैं। मैन्युफैक्चरिंग कॉस्ट में बढ़ोतरी होने के कारण कंपनियां कारों के दाम बढ़ा रही हैं। लग्जरी कार बनाने वाली दिग्गज जर्मन कंपनी ऑडी इंडिया ने भी अपनी कारों की कीमतों में बढ़ोतरी का ऐलान किया है। कंपनी ने कहा कि वह अगले साल जनवरी से भारत में अपनी गाड़ियों की कीमतें 2 फीसदी तक बढ़ाएगी। कंपनी ने दाम में बढ़ोतरी के लिए बढ़ती इनपुट और ऑपरेशनल कॉस्ट को जिम्मेदार बताया है। नई कीमतें 1 जनवरी 2024 से सभी मॉडल पर लागू होंगी। ऑडी इंडिया के हेड बलबीर सिंह ढिल्लों ने कहा, सप्लाई चेन से संबंधित इनपुट और ऑपरेशनल कॉस्ट के कारण हमने ब्रांड की प्रीमियम प्राइस पोजिशनिंग को बनाए रखने के लिए अपने मॉडलों में प्राइस करेक्शन किया है।

## अब एक्टिवा इलेक्ट्रिक में एडवांस फीचर्स मिलेंगे

**नईदिल्ली, एजेंसी**

जापानी कंपनी होंडा 9 जनवरी 2024 से अमेरिका में शुरू होने वाले कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक शो 2024 में अपनी पॉपुलर स्कूटर एक्टिवा का इलेक्ट्रिक वर्जन पेश करने की तैयारी कर रही है। कंपनी काफी समय से एक्टिवा इलेक्ट्रिक पर काम कर रही है। होंडा एक्टिवा देश में सबसे ज्यादा बिकने वाला स्कूटर है। इस समय घरेलू बाजार में ओला इलेक्ट्रिक स्कूटर सबसे ज्यादा पॉपुलर है, जो बिक्री के मामले में भी टॉप पर है। होंडा एक्टिवा इलेक्ट्रिक के आते ही इसका सीधा मुकाबला ओला इलेक्ट्रिक स्कूटर ही होगा। भारत में भी इसे 2024 में ही लॉन्च किया जाएगा। एक्टिवा इलेक्ट्रिक में 280 किमी की रेंज मिल सकती है। हालांकि, कुछ मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो इसमें मौजूदा मॉडल के कुछ डिजाइन एलिमेंट्स को शामिल किया जाएगा। स्कूटर डिजिटल टच स्क्रीन इन्फोटेनमेंट सिस्टम और मोबाइल कनेक्टिविटी जैसे फीचर्स से लैस होगा। टेलीस्कोप सस्पेंशन भी मिल सकता है। मल्टी-स्टोरी अपार्टमेंट में रहने वाले लोगों के लिए फिक्स्ड बैटरी सेटअप से परेशानी आ सकती है।

### मनोरंजन बॉलीवुड का कोना

## कार्तिक के अपोजिट सारा को किया कास्ट

फिल्म 'भूल भुलैया 3' को लेकर चर्चा है कि इसमें कार्तिक आर्यन के अपोजिट सारा अली खान को कास्ट किया जा सकता है। कार्तिक और सारा ने इससे पहले 2020 में रिलीज हुई इम्तियाज अली की फिल्म 'लव आज कल' में साथ काम किया था। इस फिल्म के दौरान दोनों का अफेयर था, बाद में कपल का ब्रेक अप हो गया था। बॉलीवुड हंगामा की एक रिपोर्ट की मानें तो हॉरर-कॉमेडी 'भूल भुलैया 3' फरवरी 2024 में फ्लोर पर जाएगी। इसमें कार्तिक-सारा एक बार फिर से साथ काम करते नजर आ सकते हैं। मेकर्स ने इस साल मार्च में इस फिल्म की अनाउंसमेंट की थी। फिल्म को दिवाली 2024 में रिलीज करने की प्लानिंग है। कार्तिक, कियारा आडवाणी और तब्बू स्टारर 'भूल भुलैया 2' की सक्सेस को आगे बढ़ाते हुए डायरेक्टर अनीस बज्मी और प्रोड्यूसर भूषण कुमार इस फ्रैंचाइजी के तीसरे पार्ट पर काम कर रहे हैं। यह फ्रैंचाइजी भूषण और कार्तिक दोनों की ही फेवरेट है।

### सारा ने की थी ब्रेक अप पर बात

सूत्र बताते हैं कि कार्तिक और सारा दोनों ही इस फिल्म को शुरू करने के लिए एक्साइटेड हैं। सूत्रों का कहना है कि दोनों ही एक्टर्स कमाल के दोस्त हैं। दोनों प्रोफेशनल फ्रंट पर 'भूल भुलैया 3' के जरिए अपने रिश्ते सुधारने की कोशिश कर रहे हैं। एक बार जब इसकी कास्टिंग अनाउसमेंट हो जाएगी तो यह टॉक ऑफ द टाउन बन जाएगी। कॉफी विद करण सीजन 8 के एपिसोड में सारा ने कार्तिक के साथ अपने ब्रेक अप पर बात की थी। सारा ने बताया था कि उनके लिए हार्टब्रेक से डील करना कभी आसान नहीं था। वो इस शो में अनन्या पांडे के साथ नजर आई थीं। कुछ इंटरव्यूज में सारा ने अपने ब्रेक अप के लिए मीडिया को भी जिम्मेदार ठहराया था।

## केजीफ और सालार के बीच रहेगा कनेक्शन

साउथ के सुपरस्टार प्रभास की मचअवेटेड फिल्म सालार से जुड़ा एक बड़ा अपडेट सामने आया है। फिल्म से बतौर सिंगर जुड़ीं चाइल्ड आर्टिस्ट तीर्था सुभाष ने एक इंटरव्यू में फिल्म से जुड़ी हिंट दी है। सिंगर ने इस इंटरव्यू में गलती से बता दिया कि फिल्म में प्रभास और पृथ्वीराज सुकुमारन के अलावा सुपरस्टार यश भी नजर आएंगे। एशियानेट को दिए एक इंटरव्यू में तीर्था ने बताया कि उन्होंने इस फिल्म के लिए तीन भाषाओं में एक गाना गाया है। इस दौरान बात करते हुए उन्होंने सालार को प्रभास, पृथ्वीराज और यश की फिल्म बताया है। तीर्था इस वीडियो में काफी कन्फ्यूज्ड नजर आ रही हैं पर इस वीडियो के सामने आते ही फैंस यह जानकर खुश हैं कि सालार में रॉकिंग स्टार यश का कैमियो होगा। कई रिपोर्ट्स में यह दावा किया गया है कि सालार का केजीएफ के साथ कोई ना कोई कनेक्शन तो जरूर दिखाया जाएगा। यह फिल्म च्केजीएफज् फेम डायरेक्टर प्रशांत नील ने ही डायरेक्ट की है। माना जा रहा है कि सालार में यश भी नजर आएंगे। प्रशांत नील के डायरेक्शन में बनी सालार 22 दिसंबर को पैन इंडिया रिलीज होनी है।

## विद्युत जामवाल जंगलों में रहकर करते हैं मेडिटेशन

तीन साल की उम्र से मार्शल आर्ट सीखने वाले विद्युत आज 25 से ज्यादा देशों में लाइव एक्शन शो कर चुके हैं। बॉलीवुड में एक्शन हीरो और बॉडी बिल्डर्स में उनका नाम सबसे पहले लिया जाता है। कमांडो फ्रेंचाइजी, फोर्स, बुलेट राजा, बादशाहों और हाल ही में रिलीज हुई फिल्म आईबी-1 में नजर आने वाले विद्युत जामवाल ने अभी तक 25 फिल्मों में काम किया है। विद्युत को जंगली जीव-जंतुओं और पेड़-पौधों से काफी लगाव है, इसलिए साल में एक बार वो जंगल में दुनिया से दूर कुछ समय बिताते हैं। विद्युत अपनी फिल्मों में खुद ही स्टंट करते हैं, इसलिए इनकी फिल्मों में बॉडी डबल नहीं होते। विद्युत की पहली बॉलीवुड फिल्म फोर्स थी, जिसमें इनकी बॉडी देख लोग जॉन अब्राहम को भी भूल गए थे।

### विद्युत की फिल्मों में बॉडी डबल का यूज नहीं होता

विद्युत ने अपने दम पर इंडस्ट्री में नाम बनाया है। इंडस्ट्री में उनका कोई गॉडफादर नहीं है। वो अपनी फिल्मों में खुद ही एक्शन सीन्स किया करते हैं। उनकी फिल्मों में बॉडी डबल का यूज नहीं होता। सोशल मीडिया पर विद्युत के कई वीडियोज वायरल होते हैं, जिसमें वो बड़ी-बड़ी बिल्डिंग से छलांग लगाते देखे जाते हैं। विद्युत का जन्म 10 दिसंबर 1980 को जम्मू में हुआ था। उनकी जड़े जम्मू के राजपूत परिवार से जुड़ी हुई हैं। उनके पिता एक आर्मी ऑफिसर थे। उनके पिता का एक जगह से दूसरी जगह ट्रांसफर होते रहता था। इसी वजह से विद्युत का बचपन एक जगह नहीं बीता। अमूमन देखा जाता है कि बड़े-बड़े एक्टर्स अपनी सेफ्टी के लिए खतरनाक सीन्स की शूटिंग खुद से न करके बॉडी डबल का सहारा लेते हैं।

### 2012 तक वो पहचान नहीं मिली, जिसके हकदार थे

विद्युत एक जगह से दूसरी जगह ट्रैवल करते थे, इसकी वजह से उन्हें कई सारी भाषाएं आने लगीं। विद्युत ने करियर की शुरुआत 1996 में बतौर मॉडल की थी। उन्होंने एक दोस्त की सलाह पर एक्शन सीक्वेंसेज की शो रील बनाई। उसे साउथ फिल्म इंडस्ट्री के कैमरामैन समीर रेड्डी तक पहुंचाया। वहां से उन्हें साउथ की एक फिल्म में छोटा सा रोल मिल गया। फिल्म तो नहीं चली लेकिन काम मिलने लगा। फिर उन्हें तेलुगु फिल्म सख्ती से पहला मेजर ब्रेक मिला। हालांकि 2012 तक उन्हें वो पहचान नहीं मिल पाई, जिसके वो हकदार थे। बॉलीवुड में उनके नाम की चर्चा फिल्म 'फोर्स' के आने के बाद हुई।

# 23 साल की उम्र में 21 नकबजनी करने वाला नकबजन गिरफ्तार

## जैकेट के अंदर टामी फंसाकर अकेले ही करता था वारदात, गर्मी में भी जैकेट पहनकर पहुंचा था बदमाश

**भोपाल, दोपहर मेट्रो।**

23 साल की उम्र में 21 नकबजनी की वारदात करने वाले शातिर नकबजन को अयोध्या नगर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उसके पास से दस लाख रुपए के जेवरात बरामद किए गए। आरोपी अकेले ही वारदात को अंजाम देता था। वह जैकेट के अंदर ताला तोड़ने के टामी (हथियार) छिपाकर रखता था। इलाके में हुई नकबजनी की वारदातों में हाथ लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज खंगाले तो पता चला कि मई महीने की चिलचिलाती गर्मी में भी आरोपी ने जैकेट पहनकर नकबजनी की वारदात की थी।

सीसीटीवी कैमरे का रोडमैप तैयार किया गया तो आरोपी का मुवमेंट बायपास से करोंद की तरफ नजर आया। इसी आधार पर आरोपी की गिरफ्तारी की गई।

थाना प्रभारी महेश लिल्हारे ने बताया कि इलाके में हो रही नकबजनी की वारदातों पर अंकुश लगाने और आरोपियों की धरपकड़ के लिए टीम का गठन किया है। पुलिस की टीम ने वारदातों के बाद इलाके के सीसीटीवी कैमरे के फुटेज खंगाले तो एक संदिग्ध व्यक्ति अकेले ही वारदात को अंजाम देते हुए नजर आया। सभी वारदातों में आरोपी ने जैकेट पहन रखी थी। पुलिस आरोपी की हुलिए के आधार पर तलाश कर रही थी। इसी बीच जेल से छूटने वाले बंदियों के बारे में जानकारी जुटाई गई। इस दौरान पता चला कि जुलाई महीने में एक आरोपी जेल से रिहा हुआ है और वह शातिर नकबजन है। उस पर नकबजनी के 17 अपराध पंजीबद्ध है।

पुलिस ने उसके ठिकाने पर पहुंचकर हुलिया मिला तो आरोपी का हुलिया फुटेज से मिल गया। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताद की गई तो उसने अपना नाम मोहम्मद इरफान पिता मोहम्मद सलीम (23) जनता नगर, करोंद बताया। पूछताछ में उसने अयोध्या

नगर में चार नकबजनी की वारदात करना स्वीकार लिया। आरोपी ने बताया कि वह अकेले ही वारदात को अंजाम देता था ताकि हिस्से बंटे नहीं और वारदात की भनक बाहर किसी तक न पहुंचे। आरोपी ने पूछताछ में यह भी बताया कि वह जैकेट ठंड से बचने के लिए नहीं, बल्कि अंदर टामी फंसाकर रखने के लिए पहनता था। जैकेट में टामी होने के कारण किसी को नजर नहीं आती थी। आरोपी इरफान पर निशातपुरा, गांधी नगर, कोहेफिजा समेत अन्य थानों में कुल 17 चोरी और नकबजनी के अपराध पंजीबद्ध है। इसी प्रकार अयोध्या में उसने चार नकबजनी के अपराध किए थे।

### पांच साल पूर्व प्रेम प्रसंग के बाद की थी शादी

# नवविवाहिता ने फांसी लगाकर की आत्महत्या, नहीं मिला सुसाइड नोट

**भोपाल, दोपहर मेट्रो**

**गोविंदपुरा थाना क्षेत्र स्थित पुराना नगर में बीती रात एक नव विवाहिता ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।**

एसआई संजय शुक्ला ने बताया कि 23 साल की मुस्कान पटेल पुराना नगर गोविंदपुरा में रहती थी। उसने पांच साल पूर्व प्रेम प्रसंग के बाद शादी की थी। कुछ समय पति के साथ रहने के बाद उसका विवाद होने लगा और अब इलाके में रहने वाले एक व्यक्ति के साथ रहने लगी। करीब पंद्रह दिन से उसके दूसरे पति से भी विवाद होने लगा था। मुस्कान के माता-पिता नहीं है। भाई और चाचा है। चाचा ने उसे समझाया था कि जिसके साथ रहना है ठीक से रहो। उसके दूसरे पति को भी समझाइश दी थी, लेकिन दोनों ही नहीं माने और अक्सर विवाद करने लगे। करीब पंद्रह दिन से मुस्कान अपने मायके में आ गई थी। हालांकि उसका दूसरे पति के पास आना-जाना था। बीती रात मुस्कान घर में ही थी और उसने अपने कमरे में फांसी लगा ली। भाई दीपक ने उसे फांसी के फंदे पर लटका देखा था। इसके बाद फंदे से उतारकर उसे अस्पताल ले गया। वहां

डॉक्टर ने प्राथमिक जांच में ही मुस्कान को मृत घोषित कर दिया। अस्पताल की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मुस्कान का शव पीएम के लिए मर्चूरी में रखवा दिया है। घर की तलाशी लेने पर सुसाइड नोट नहीं मिला है।

### किचन में फांसी लगाई

इधर, पिपलानी थाना क्षेत्र स्थित पुराना शिव नगर में एक युवती ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। किचन में उसे फांसी के फंदे पर लटका देखा गया था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस के अनुसार चंदा पिता स्वर्गीय मंगल सिंह (34) पुराना शिव नगर में रहतीड़थी। उसके भाई दीपक ने पुलिस को बताया कि वह पत्नी और बहन चंदा के साथ रहता है। रविवार रात सभी लोगों ने खाना खाया और सो गए। सुबह करीब छह बजे नींद खुली तो किचन में चंदा का शव फांसी के फंदे पर लटका मिला। पुलिस की पूछताछ में यह बात सामने आई कि पड़ोसियों से उसका कोई विवाद हुआ था। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

## शराब के लिए पैसे नहीं दिए तो कारपेंटर ने लगा ली फांसी

अवधपुरी थाना क्षेत्र स्थित बीडीए कॉलोनी में सोमवार दोपहर एक कारपेंटर ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उनके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है, लेकिन प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई कि वह शराब पीने के आदी थे। उन्होंने पत्नी से शराब पीने के लिए पांच सौ रुपए मांगे थे। पत्नी ने शराब के लिए पैसे नहीं दिए तो नाराज होकर फांसी लगा ली। पुलिस के अनुसार प्रेमनारायण विश्वकर्मा (52) मकान नंबर-2/3, 374 में रहते थे। पेशे से कारपेंटर प्रेमनारायण जब काम मिल जाता था तो कर लेते थे। वे शराब पीने के आदी थे। उनके परिवार में चार बेटे और एक बेटी सहित पत्नी है। पत्नी ने पुलिस को बताया कि सोमवार दोपहर प्रेम नारायण ने शराब पीने के लिए पांच सौ रुपए की मांग की थी। रुपए नहीं होने के कारण उन्हें मना कर दिया। इस बात से नाराज होकर दोपहर करीब पौने दो बजे के आसपास उन्होंने खुद को कमरे में बंद कर लिया। किसी तरह दरवाजा तोड़ा गया तो प्रेम नारायण गमछे के सहारे फांसी के फंदे पर लटके नजर आए। उम्मीद थी कि उनकी जान बच जाएगी। लिहाजा परिजन उन्हें एम्स लेकर पहुंचे। एम्स में डॉक्टर ने प्राथमिक जांच में ही उसे मृत घोषित कर दिया।

## बदमाशों को पनाह देने वाले मकान मालिक पर भी की जाएगी कार्रवाई

**भोपाल, दोपहर मेट्रो**

### अपराधियों के अवैध ठिकानों पर प्रशासन चलाता है बुलडोजर, अपराधियों ने भी बदली राह

आपराधिक किस्म के लोगों को सही रास्ते लाने प्रशासन ने उनकी अवैध संपत्ति पर बुलडोजर चलाना शुरू किया तो बदमाश भी एक कदम आगे निकल गए। अब अधिकतर बदमाश किराए के मकान में रहने लगे, ताकि उनकी अवैध संपत्ति पर बुलडोजर न चल सके। पिछले कुछ दिनों से यह बात देखने को मिली है कि आपराधिक गतिविधियों को अंजाम देने वाला बदमाश अपने स्थायी ठिकाने को छोड़कर किराए के मकान में रह रहा है। डीसीपी जोन थ्री रियाज इकबाल ने बताया कि टैंट व्यापारी पर फायरिंग करने वाला बदमाश नसीम बन्ने खां खुद का मकान छोड़कर किराए के मकान में रह रहा था। पिछले कुछ दिनों में ऐसे ही मामले में सामने आए कि जिन अपराधियों ने गंभीर अपराध किए वे अपराध किराए के मकान में रहकर किए, ताकि उनके अवैध ठिकानों पर बुलडोजर न चल सके। अब पुलिस भी एक कदम आगे चलेगी और ऐसे मकान मालिक जिन्होंने अपने मकान आपराधिक किस्म के लोगों को किराए पर दिए हैं। उन पर सख्त कार्रवाई करेगी। पुलिस ने पूर्व में ही मकान मालिकों को एडवाइजरी जारी कर दी है कि मकान में किराए से रहने वाले किराएदारों का ब्यौरा दें। बावजूद इसके जो मकान मालिक पुलिस को किराएदारों का ब्यौरा नहीं देते हैं और उनके किराएदार द्वारा किसी भी तरह का आपराधिक कृत्य किया जाता है तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

## खुद को आग लगने वाले की मौत

**भोपाल, दोपहर मेट्रो।**

गौतम नगर थाना इलाके में कुछ माह पूर्व एक व्यक्ति ने शराब के नशे में खुद पर पेट्रोल डालकर आग लगा ली थी। इस दौरान उसे काफी गंभीर चोटें आई थीं, इलाज के लिए उसे अस्पताल में भर्ती कराया था। रविवार को इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस के अनुसार प्यारेलाल पुत्र हरिनारायण नगर निगम कॉलोनी में मकान बनाने की ठेकेदारी करते थे। उनके परिजनों ने बताया कि अक्टूबर माह में नशे की हालत में उन्होंने खुद पर पेट्रोल छिड़क कर आग लगा ली थी।

## ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत, पुलिस कर रही मामले की जांच

**भोपाल, दोपहर मेट्रो।**

मिसरोद थाना क्षेत्र स्थित राधाकृष्णपुरम कॉलोनी में कल शाम ट्रेन की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव बरामद कर पीएम के लिए मर्चूरी भेज दिया है। आज मृतक का पीएम कराया जा रहा है। पुलिस का कहना है कि पीएम के बाद मृतक के परिजन से पूछताछ की जाएगी। एसआई विजय कल्चुरी ने बताया कि कल शाम करीब छह बजे के आसपास सूचना पर राधाकृष्णपुरम कॉलोनी के पीछे रेलवे ट्रैक से एक युवक का शव बरामद किया गया था। ट्रेन की चपेट में आने से शव क्षत विक्षत हो गया था। मृतक के पास मिले दस्तावेज के आधार पर उसकी पहचान दीपक अहिवार पिता गोवर्धन अहिरवार (23) गांव चांदनेर, सुल्तानपुर के रूप में की गई। परिजन से संपर्क होने के बाद उन्हें मर्चूरी बुलाया गया था। मर्चूरी पहुंचे मृतक के भाई राहुल अहिरवार ने उसकी शिनाख्त कर ली। पुलिस का कहना है कि उसने आत्महत्या की है या फिर वह हादसे का शिकार हुआ है इसकी जांच की जा रही है।

**मेट्रो एंकर** | **शादी के स्टेज से बैग चुराने वाला गिरोह सक्रिय**

# खजूरी के प्ले होटल में शादी कार्यक्रम से *गिफ्ट* लिफाफे का बैग हुआ चोरी

**भोपाल, दोपहर मेट्रो**

**शादी का सीजन शुरू होते ही स्टेज से गिफ्ट और लिफाफे से भरा बैग चुराने वाला गिरोह सक्रिय हो गया है। गिरोह ने खजूरी सड़क थाना क्षेत्र स्थित प्ले होटल भौरी में इंजीनियर के बेटे की शादी में वारदात को अंजाम दिया और लिफाफे से भरा बैग पार कर दिया। घटना 10 दिसंबर की रात साढ़े बारह बजे की बताई जा रही है। घटना की शिकायत कल थाने पहुंचकर परिजन ने की। पुलिस ने चोरी का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने होटल में लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज चेक किए तो बैग उठाते समय कोई संदिग्ध नजर नहीं आया है। अब पुलिस वीडियो ग्राफी करने पहुंचे कैमरा मैन के कैमरे का बैकअप देख रही है।**

एसआई शिवेंद्र मिश्रा ने बताया कि बैरागढ़ निवासी महेश प्रेम चंदानी इंजीनियर हैं। उनके बेटे हिमांशु प्रेम चंदानी की शादी प्ले होटल भौरी में थी। रविवार रात कार्यक्रम चल रहा था। परिजन स्टेज पर वर और वधु के साथ फोटो एक्सपोज करा रहे थे, तभी अज्ञात बदमाश ने स्टेज पर रखा लिफाफों से भरा बैग पार कर दिया।

उल्लेखनीय है कि मिसरोद स्थित गौरी मैरिज गार्डन में रविवार रात करीब साड़े 9 बजे इसी तरह की वारदात हुईड़थी। शादी की पार्टी चल रही थी, तभी अज्ञात बदमाश गिफ्ट और लिफाफे से भरा बैग चुराकर ले गया था। बैग में नगदी मोबाइल समेत 60 हजार रुपए का माल था। पुलिस ने चोरी का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस को मैरिज गार्डन से एक सीसीटीवी फुटेज भी मिला है। फुटेज में एक 15-16 साल का नाबालिग वारदात को अंजाम देते हुए नजर आया है। पुलिस फुटेज के आधार पर नाबालिग की तलाश कर रही है। एएसआई भागीरत राय ने बताया कि रवींद्र विजयवर्गीय (50) औबेदुल्लागंज में रहते हैं। उनके बेटे की शादी मिसरोद स्थित गौरी ग्रीन मैरिज गार्डन में थी। वधु पक्ष बाहर से आया हुआ था। रविवार रात में शादी के बाद सभी लोग स्टेज पर फोटो एक्सपोज करा रहे थे। इसी दौरान रवींद्र विजयवर्गीय की पत्नी के पास गिफ्ट और लिफाफे से भरा बैग रखा था। उन्होंने बैग कुर्सी पर रखा और वह मेहमानों के साथ फोटो एक्सपोज कराने लगी। फोटो एक्सपोज कराने के बाद वह कुर्सी के पास पहुंची तो बैग नहीं था। उन्होंने बैग चोरी होने की जानकारी पति को दी। पति और परिजन ने बैग की तलाश की, लेकिन बैग नहीं मिला। इसके बाद मैरिज गार्डन के मैनेजर को घटना की जानकारी दी गई। मैनेजर ने सीसीटीवी फुटेज देखे तो एक नाबालिग बैग उठाकर जाते हुए नजर आया था।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022